दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 129 रायपुर, शनिवार, 30 मई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 सीएम साय ने ईमानदारी...

सेंसेस 1092 अंक गिरकर.. 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

भारत-अमेरिका, अंतरिम व्यापार समझौते के करीब: गोयल

एजेंसी, न्यूयॉर्क। भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी व्यापार जगत के प्रतिनिधियों से कहा है कि भारत की अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत में''उत्साहजनक प्रगति'' हुई है और दोनों देश इस पर एक अंतरिम समझौते के करीब पहुंच गये हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार रात को यहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी दी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में एक गोलमेज बैठक के दौरान 50 से ज्यादा वैश्विक व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने

अमेरिकी–भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसएफ) के सहयोग से किया था।

पीयूष गोयल ने कहा कि गोलमेज बैठक में वैश्विक कारोबारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की मजबूत विकास गाथा, सुधार–आधारित कारोबारी माहौल और वैश्विक निवेशकों के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला तथा साझा समृद्धि के लिए भारत–अमेरिका के बीच व्यापार, निवेश, नवाचार और आपूर्ति–श्रृंखला से जुड़ी साझेदारियों को और अधिक गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। गोयल ने उद्योग जगत के कई प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। मॉर्गन स्टैनली के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टेड पिक के साथ बैठक में उन्होंने भारत में दीर्घकालिक निवेश और संस्थागत साझेदारी को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने वारबर्ग पिंकस के चेयरमैन चिप केय के साथ वैश्विक निवेश परिदृश्य और भारत के उभरते आर्थिक अवसरों पर विचार–विमर्श किया।

ओडिशा में भाजपा सरकार के दूसरी वर्षगांठ समारोह में शामिल होंगे मोदी

एजेंसी, भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ओडिशा में भाजपा सरकार के दूसरी वर्षगांठ समारोह में शामिल होंगे। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार देर शाम को एक कार्यक्रम के दौरान दी। भुवनेश्वर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को समारोह में शामिल होने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था, जिस पर बुधवार को सकारात्मक सहमति मिल गई।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री को ओडिशा में भाजपा सरकार के दूसरे स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया था। कल हमें इस संबंध में सकारात्मक जवाब मिला। हालांकि प्रधानमंत्री किस तारीख को ओडिशा आयेंगे, यह अभी निश्चित नहीं हुआ है। मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने समारोह को सादगीपूर्ण ढंग से आयोजित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, राज्य सरकार 12 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसके साथ ही सरकार पिछले दो वर्षों की उपलब्धियों और प्रमुख जनहितकारी पहलों को जनता तक पहुंचाने के लिए विशेष मीडिया अभियान भी चलाएगी।

मणिपुर के उखरूल में उग्रवादियों का एस्कॉर्ट वाले ट्रकों पर हमला, 1 की मौत

एजेंसी, इम्फाल। मणिपुर के उखरूल जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों की निगरानी में जा रहे आवश्यक वस्तुओं से लदे ट्रकों के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और मणिपुर पुलिस के संयुक्त सुरक्षा दल की निगरानी में करीब 15–20 ट्रकों का काफिला उखरूल की ओर जा रहा था। इसी दौरान टीएम कासोम क्षेत्र के निकट उग्रवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। हमले में एक ट्रक चालक ने घटनास्थल पर ही दम

तोड़ दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। हमले के बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों के मुताबिक इम्फाल–उखरूल मार्ग पर बाद में भी रुक–रुककर फायरिंग की खबरें मिलीं, जिससे पूरे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। इस घटना से कुछ घंटे पहले शांगकाई गांव में भी स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर आवश्यक वस्तुओं से लदे वाहनों की आवाजाही रोकने का प्रयास किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले और स्मोक बम का इस्तेमाल किया। इस दौरान कम से कम पांच नागरिकों के घायल होने की सूचना है।

असम-मिजोरम सीमा पर 18 करोड़ की याबा टैबलेट जब्त, एक गिरफ्तार

एजेंसी, सिलचर। असम–मिजोरम सीमा पर सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 18 करोड़ रुपये मूल्य की याबा टैबलेट जब्त की है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की गुप्त सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने बीती रात असम–मिजोरम सीमा पर नाका जांच

अभियान चलाया। इस दौरान एक संदिग्ध वाहन (एएस12यू7746) को रोककर उसकी तलाशी ली गई। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी के बीच वाहन की जांच करने पर 60 हजार संदिग्ध याबा टैबलेट और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। बरामद सामग्री को तत्काल जब्त कर लिया गया।

नीट परीक्षार्थी 21 जून को डीटीसी बसों में मुफ्त में कर सकेंगे यात्रा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता–सह–प्रवेश परीक्षा (नीट) में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 21 जून को परीक्षा के दिन सभी परीक्षार्थी डीटीसी की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे और अपने–अपने सेंटर पहुंच सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए परीक्षार्थियों को केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड बस कंडक्टर को दिखाना होगा। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि हाल ही में नीट परीक्षा के रद्द होने के कारण अनेक परीक्षार्थियों को दोबारा नीट परीक्षा देनी पड़ रही है। ऐसे में परीक्षार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त मानसिक, समयगत और आर्थिक दबाव पड़ना स्वाभाविक है। दिल्ली सरकार परीक्षार्थियों की इन चुनौतियों को समझते हुए उनके साथ खड़ी है। सरकार का प्रयास है कि परीक्षा के दिन परीक्षार्थियों को परिवहन संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य से 21 जून को सभी नीट परीक्षार्थियों के लिए डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त तनाव के समय पर अपने एग्जाम सेंटर पहुंच सकें और पूरी एकाग्रता एवं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें।

छग में प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना की आईडी हैक कर निकाले गये 60 लाख रू., जांच जारी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की आईडी हैक कर प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में करीब 60 लाख रुपये की हेराफेरी का मामला सामने आया है। शुरुआती जांच में 1400 से अधिक फर्जी हितग्राहियों का पंजीयन मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मामले में विभागीय कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। दंतेवाड़ा कलेक्टर देवेश ध्रुव ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल कर योजना पोर्टल में फर्जी एंट्री किए जाने का खुलासा हुआ है। आरोप है कि फर्जी हितग्राहियों के नाम पर करीब 60 लाख रुपये की राशि अलग–अलग

बैंक खातों में ट्रांसफर कर निकाल ली गई। प्रारंभिक जांच में बारसूर, बचेली, गीदम, कटेकल्याण और कुआकोंडा क्षेत्र सहित कई इलाकों में फर्जी हितग्राहियों के नाम सहित 1400 से अधिक फर्जी हितग्राहियों के पंजीयन की बात सामने आई है।

बताया जा रहा है कि विभागीय पोर्टल में फर्जी बैंक खाते जोड़कर लंबे समय से राशि निकाली जा रही थी। मामले के सामने आने के बाद विभाग ने संबंधित आईडी ब्लॉक कर दी है और ट्रांजेक्शन, दस्तावेजों तथा बैंक खातों की जांच शुरू कर दी गई है। यह पता लगाया जा रहा है कि विभाग की आईडी और पासवर्ड की जानकारी बाहर कैसे पहुंची। जांच के दायरे में विभाग के कुछ कर्मचारी और अधिकारी भी बताए जा रहे हैं। प्रशासन को कई गांवों और आंगनबाड़ी केंद्रों में संदिग्ध पंजीयन और भुगतान की जानकारी मिली है। वर्ष 2025 और 2026 के दौरान योजना के क्रियान्वयन को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने से गड़बड़ी बढ़ती गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और पोषण के लिए चलाई जाती है। ऐसे में हितग्राहियों तक राशि नहीं पहुंचने से सरकारी निगरानी व्यवस्था और विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

आंधी में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल की स्लैब ढहने से छह मजदूरों की मौत, कई दबे होने की आशंका

एजेंसी, हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बेतवा नदी पर बन रहे नए पुल की स्लैब व शटरिंग शुक्रवार तड़के आंधी और तूफान के बीच भरभराकर ढह गई। जिसके मलबे में दबकर छह मजदूरों की मौत हो गई। अभी कुल लोगों के मलबे दबे होने की आशंका है। पुलिस और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए है। राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ टीम को लगाया गया है। जानकारी के मुताबिक

जिले के ललपुरा क्षेत्र के परसनी और कंडौर के बीच बेतवा नदी पर एक नया पुल का निर्माण पिछले तीन सालों से चल रहा है। आज तड़के करीब तीन बजे सभी मजदूर निर्माणाधीन पुल के नीचे सो रहे थे। तभी तेज आंधी और तूफान के दौरान पुल की स्लैब शटरिगं भरभराकर ढह गई।

अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा : शाह

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के भुज में कहा कि केंद्र सरकार सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है और अगले दो वर्षों में देश का सीमावर्ती क्षेत्र दुश्मनों की बुरी नजर से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, मजबूत सुरक्षा ढांचे और बीएसएफ जवानों के पराक्रम के बल पर भारत की सीमाओं को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है।

कच्छ के भुज क्षेत्र में आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि सरक्रीक और भुज क्षेत्र में बीएसएफ के जवान चट्टान की तरह सीमा की रक्षा कर रहे हैं। उनके साहस, समर्पण और सतर्कता के कारण इस

क्षेत्र के लोग सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी है। आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में वॉच टावरों का निर्माण किया गया है और कई बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) को ग्राउंड लेवल से ऊपर उठाकर अधिक सुरक्षित बनाया गया है। इन प्रयासों से जवानों की कार्यक्षमता बढ़ी है और निगरानी व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई है।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ अपनी स्थापना के 60वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा की अवधारणा को नए सिरे से विकसित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड तैयार किया जाएगा और केवल सीमा सुरक्षा की जगह फ़टेरिटोरियल सिक्योरिटीफ़ यानी क्षेत्रीय सुरक्षा का नया मॉडल लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नई व्यवस्था में बीएसएफ के साथ–साथ स्थानीय नागरिक, सिविल प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सीसीपीएल सीजन-3 के ओपनिंग सेरेमनी में अभिनेत्री मौनी रॉय बिखेरेंगी जलवा

3 जून से शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में क्रिकेट का महाकुंभ

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को वैश्विक मंच देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले 'छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल)' के तीसरे सीजन का भव्य शुभारंभ 3 जून को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में होगा। 14 जून तक चलने वाले इस आयोजन के संबंध में शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के डायरेक्टर विजय शाह और सीसीपीएल के अध्यक्ष एवी भाष्कर राव ने आयोजन की विस्तृत

जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि आईपीएल की तर्ज पर होने वाले इस टूर्नामेंट में प्रदेश के सभी संभागों से चुनी गई छह टीमें अपनी दावेदारी पेश करेंगी। यह आयोजन राज्य के खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा साबित करने का एक बड़ा माध्यम बनेगा। आयोजन को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण होगी। दर्शकों की सुविधा के लिए मैचों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स चैनल–3 पर हिंदी और अंग्रेजी में किया जाएगा। वहीं, स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहली बार छत्तीसगढ़ी भाषा में कमेंट्री की सुविधा संघ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध कराई जाएगी। खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए टूर्नामेंट में कुल 10 विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। सीसीपीएल अध्यक्ष ने भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का कायाकल्प किया जा रहा है। आने वाले दो वर्षों के भीतर यह स्टेडियम आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर एक नए और भव्य स्वरूप में नजर आएगा। सीसीपीएल का यह आयोजन न केवल छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के प्रति दीवानगी को और बढ़ाएगा, बल्कि प्रदेश को खेल के नक्शे पर एक नई पहचान भी दिलाएगा।

पहली मुलाकात में मुझे कोई पसंद नहीं करता, पति के रूप में अच्छे इंसान की तलाश है : सारा अली खान

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

मेरे बारे में लोग कहते हैं, दिल साफ है लड़की का

एक बेबाक और प्रो-एक्टिव अभिनेत्री के रूप में जाने जाने से सारा को कोई गुरेज नहीं। उनका बहुत ज्यादा ट्रांसपेरेंट होना हमेशा चर्चा जगाता है। इस पर वह कहती हैं, 'ट्रांसपेरेंट होने का फायदा-नुकसान दोनों होता है मुझे। जब आप मुझे पहली, दूसरी और तीसरी बार भी मिलेंगी, तब शायद मुझे पसंद न करें। लेकिन आप अगर चौथी बार मिलें, तो हम दोस्त बन जाएंगे। मेरे अंदर एक फिल्टर सिस्टम है, जिसमें मुझे पसंद करने के लिए आपको मुझसे चार बार मिलना जरूरी है, क्योंकि पहले तीन बार आप मुझे पसंद ही नहीं करने वाले।' 'पहली बार जब कोई मुझसे मिलता है, तो उसका रिएक्शन होता है, 'ये क्या है?', दूसरी बार वो कहता है, 'बड़ी अजीब है ये'। तीसरी बार भी वो उतना मुतमइन नहीं होता। वो कहते हैं, 'ये तो कुछ भी बोलती है', मगर जब वो चौथी बार मिलता है, तो कहता है, 'दिल साफ है लड़की का' तो मुझसे मिलने वालों को इन पड़ावों से गुजरना होता है। मगर ये सच है कि पहली -दूसरी मुलाकात में मैं लोगों को पसंद नहीं आती।' (हंसती हैं)

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे डीएम कर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।'

मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक

सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है। मैं ये समझने लगी हूं कि भले आप ये कहें कि अपने इंस्टाग्राम से आधार कार्ड लिंक करें, मगर ये नहीं होगा, तो फिर तो हमें खुद को ही नियंत्रित करना होगा। हमें समझना होगा कि ये वो लोग हैं, जिनका कोई चेहरा नहीं है और जो कुछ भी कह सकते हैं। हमें तो बस अपना काम करना होगा। अपने काम में अपनी खुशी खोजनी होगी। इसके बावजूद लोग अनाप-शनाप कमेंट करें, तो हमें निराश होने की जरूरत नहीं।'

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है। जब आप खुद किसी अच्छी कहानी का किरदार बनना चाहते हैं, तब स्क्रीन टाइम, सीन्स और शॉट्स सेकंडरी हो जाते हैं।'

असल जिंदगी में मैं किसी की 'वो' नहीं बनना चाहूंगी

पति पत्नी और वो दो में 'वो' का किरदार निभाने वाली सारा का मानना है कि वो जो चीज होती है न, वो हमेशा आपकी रीच से दूर होती है। वह हंसते हुए कहती हैं, 'शूटिंग से पहले मेरे निर्देशक मुदस्सर सर (मुदस्सर अज़ीज) ने मुझे समझाया था कि जब भी हमें वर्जित चीज का जिक्र करना होता है। हम कहते हैं, 'वो खाना', वो जगह' ये सच है कि वो टर्म फॉरबिडन चीजों के लिए ही इस्तेमाल होता है। असली जिंदगी में मैं किसी की वो नहीं हूं और न ही बनना चाहूंगी।'

माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर फिर नजर आएंगे साथ-साथ

80 और 90 के दशक में बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित और अभिनेता अनिल कपूर ने कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया। दोनों ही कलाकारों ने अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीता । उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री इतनी लाजवाब थी कि वे हर फिल्म में एक नया जादू बिखेरते थे, जिससे उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाती थीं। इस आइकॉनिक जोड़ी को एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक साथ देखने को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, जाने-माने निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने एक बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर एक बार फिर एक खास प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं। सुरेश त्रिवेणी इन दिनों अपनी नई सीरीज मां बहन को लेकर चर्चा में हैं, जिसके ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। शो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने कहा, मेरे लिए यह साल बेहद खास रहा, क्योंकि मुझे एक ही साल में दो बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। एक तरफ मैंने अनिल कपूर के साथ सीरीज सूबेदार में काम किया, वहीं दूसरी तरफ अब मैं माधुरी दीक्षित के साथ मां बहन में काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा अनुभव है, क्योंकि दोनों ही कलाकार अपनी प्रतिभा और व्यावसायिकता के लिए जाने जाते हैं। त्रिवेणी ने दोनों दिग्गजों के साथ काम करने के अपने अनुभव को अविस्मरणीय बताया। सुरेश त्रिवेणी ने माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी को लेकर भी दिलचस्प बात कही, जिसने सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने कहा, मैं दोनों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाना चाहता हूं। माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर कमाल लगती है, और उनकी केमिस्ट्री आज भी दर्शकों के दिलों में जिंदा है। अगर मुझे मौका मिला तो मैं जरूर दोनों को साथ लेकर कुछ नया और खास बनाने की कोशिश करूंगा, जो उनकी पुरानी जादू को फिर से जीवंत कर सके। अगर सब कुछ सही रहा और किस्मत ने साथ दिया, तो दर्शकों को यह सुपरहिट जोड़ी फिर से देखने को मिल सकती है, और मुझे यकीन है कि वे इसे पसंद करेंगे।

शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना : त्रिधा चौधरी

बॉलीवुड अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि वह भविष्य में बॉलीवुड के ऊर्जावान अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करने की प्रबल इच्छुक हैं। त्रिधा ने आगे कहा कि अगर उन्हें शिवा ट्रिलॉजी जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा, क्योंकि यह उनकी आस्था और अभिनय के प्रति जुनून दोनों को संतुष्ट करेगा। जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी, तो इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब शिवा ट्रिलॉजी पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी। यह सीरीज भगवान शिव की गाथा को आधुनिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है, जिससे यह कलाकारों के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। त्रिधा ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने शिवा ट्रिलॉजी के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह प्रोजेक्ट उनके नेतृत्व में और भी भव्य और प्रभावशाली बन सकता है। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें एक अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं। रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी और शिद्दत डालते हैं, वह मुझे एक कलाकार के तौर पर बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा एक बड़ा सपना है। उन्होंने आगे कहा, भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि शिवा ट्रिलॉजी से मेरा एक भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और इसकी कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया है, खासकर जिस तरह से मानवीय भावनाओं और पौराणिक कथाओं का मिश्रण किया गया है। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, जिसमें मैं अपने अभिनय के साथ अपनी आस्था को भी जोड़ सकूं, तो वह मेरे करियर का सबसे खास और यादगार अनुभव होगा। त्रिधा ने बातचीत के दौरान अपने अभिनय दर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय की गहराई और प्रामाणिकता से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाते, और ऐसा अभिनय मुझे संतुष्टि नहीं देता। अभिनेत्री ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा, मेरे लिए क्रिटिक्स की तारीफें ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि वे मेरे अभिनय कौशल का सही मूल्यांकन करती हैं।

अगर लोग मेरे अभिनय को पसंद करें और यह महसूस करें कि मैंने किरदार के साथ न्याय किया है, और मैंने उनके दिलों तक कोई भावना पहुंचाई है, तो वही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है। मैं हमेशा ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जिनमें अभिनय करने का भरपूर मौका मिले और मैं दर्शकों तक कोई गहरी भावना या संदेश पहुंचा सकूं।

पिता बनने के बाद जिम्मेदार और विनम्र हो गया हूं आपको डिप्लोमेसी आनी चाहिए : रणदीप हुड्डा

कई हिट फिल्मों और टॉप वेब सीरीज में नजर आ चुके एक्टर रणदीप हुड्डा के लाखों फैंस हैं, जो उनके बारे में सबकुछ जानना पसंद करते हैं। बात 'सरबजीत' और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में हैरान कर देने वाले बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की हो या निजी जिंदगी में बेबाकी से अपनी राय रखने की, ऐक्टर रणदीप हुड्डा अपनी जिंदगी में हमेशा ही बेखौफ और रिस्क टेकर रहे हैं। कुछ हद तक अपनी हालिया सीरीज के हीरो 'इंस्पेक्टर अविनाश' की तरह, लेकिन अब यह आजाद परिंदा एक फैमिली मैन, एक नन्ही परी न्योमिका का पिता भी बन चुका है और रणदीप मानते हैं कि पिता बनने के बाद जिंदगी में काफी सारे सकारात्मक और सुखद बदलाव आते हैं।

फादरहुड के बाद आए बदलाव अच्छे हैं

फादरहुड के बाद खुद में आए बदलावों के बारे में रणदीप बताते हैं, 'बदलाव बिल्कुल आए हैं। लाइफ में थोड़ा ठहराव आ गया है। जिम्मेदारी का अहसास बढ़ गया है। अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एक अनकंडीशनल लव के बारे में सोचना और वह सोच खुद आपके अंदर आ जाती है। अब काम से घर जाने की इच्छा और ज्यादा बढ़ गई है। एक विनम्रता आ गई है। दुनिया के प्रति भी सोच नरम हो गई है तो मेरे लिए बहुत ही समृद्ध करने वाला अनुभव है। हालांकि, अभी मैं वह अनुभव कर ही रहा हूं। अभी मैं नया-नया पिता बना हूं लेकिन निश्चित तौर पर काफी सारे पॉजिटिव बदलाव हैं। मैं खुद को इसके लिए बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं।'

डिप्लोमेसी होनी चाहिए, पर मुझमें नहीं है

अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता और बिंदास एटीट्यूट के लिए मशहूर रहे रणदीप यह भी मानते हैं कि इंसान को जिंदगी में नाप-तौल को बोलना और बर्ताव करना यानी डिप्लोमेसी आनी चाहिए, मगर उनमें यह गुण नहीं है। बकौल रणदीप, 'आपके बेबाक और बिंदास होने के नुकसान भी होते हैं लेकिन दिक्कत यह है कि आप जो नहीं हैं, वह बनकर रहने में ज्यादा मेहनत लगती है। फूंक-फूंक कर बोलने के चक्कर में आप एक झूठ बोलते हैं, फिर हजार झूठ बोलते हैं तो उससे बेहतर है कि सच पर ही रहो। जो लोग आपके साथ काम करना चाहेंगे वे करेंगे।'

कॉप के रोल से बच रहा था

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह यूपी के चर्चित कॉप इंस्पेक्टर अविनाश की भूमिका में काफी सराहे गए, मगर शुरू में उन्होंने यह रोल करने से ही मना कर दिया था। वजह पूछने पर वह बताते हैं, 'दरअसल, मैं कॉप का रोल करने से बच रहा था। मुझे लगा था कि मैं कॉप के किरदार कुछ ज्यादा ही कर रहा हूं तो कहीं टाइपकास्ट ही ना हो जाऊं, मगर जब नीरज भाई (डायरेक्टर नीरज पाठक) ने कहानी सुनाई, तो मैं ना नहीं कर पाया।' वहीं, टाइप कास्टिंग के खतरे पर रणदीप आगे कहते हैं, 'टाइप कास्टिंग इंडस्ट्री का एक कड़वा सच है, मगर चॉइस आपके हाथ में होती है कि आप खुद को दोहराना चाहते हैं या नहीं। कोई जबरदस्ती तो आपसे कुछ करा नहीं लेगा। मैंने काफी बार ऐसे रोल मना किए हैं, जो हाल ही किए होते हैं या उसमें मुझे नयापन नहीं लगता। वैसे, काम मना करना भी आसान नहीं होता है, क्योंकि ऐक्टर का सबसे बड़ा काम ही काम पाना है। वरना उसके लिए एक बहुत बड़ी मशीनरी लगती है जो सबके बस की बात नहीं है।'

राइटिंग में मजा आ रहा है

रणदीप ने अपनी फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर में निर्माता-निर्देशक की भूमिका भी निभाई थी। उस ओर आगे का प्लान पूछने पर उन्होंने बताया, 'बहुत कुछ चल रहा है। हालांकि, जब मैं वीर सावरकर पूरी करके रिलीज कर रहा था, तब कान पकड़ लिया था कि आज के बाद कभी ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन आपको कभी न करने वाली बात नहीं कहनी चाहिए। मैंने दो स्क्रिप्ट्स लिखी हैं। और भी लिख रहा हूं। मुझे राइटिंग में बहुत मजा आने लगा है। पहले क्या होता था कि जब बतौर ऐक्टर रोल आते थे तो हम करते थे, वरना काउच से बिस्तर और बिस्तर से काउच के बीच एक बड़ी लंबी जर्नी होती है। उसमें बहुत वक्त खाली बीतता था पर राइटिंग शुरू करने के बाद जब मैं ऐक्टिंग नहीं कर रहा होता हूं तब भी बहुत एक्साइटेड रहता है कि ऑफिस में जाकर कुछ लिख दूं, कुछ को-राइट कर लूं। कुछ फिल्म देख लूं तो बहुत कुछ करने का उत्साह रहता है जो सबसे बड़ी बात है।'

कोई भी महिला किसी को खुश करने के लिए नहीं जीती : कंगना रनौत

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन के लुक को लेकर चल रही ट्रोलिंग के बीच मुखर अभिनेत्री कंगना रनौत ने खुलकर ऐश्वर्या का समर्थन किया है। अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कंगना ने ऐश्वर्या की ब्लू कलर के गाउन वाली एक शानदार फोटो पोस्ट की और उन लोगों को कड़ा जवाब दिया, जो ऐश्वर्या के लुक, उनके पहनावे की पसंद और उनकी उम्र को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां कर रहे थे। दरअसल, कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, फैशन और स्टाइल किसी भी इंसान की अपनी अभिव्यक्ति होती है। यह व्यक्ति के आंतरिक व्यक्तित्व, उसकी रचनात्मकता और उसके आत्म-विश्वास का प्रतीक होता है। हर व्यक्ति अपने तरीके से जिंदगी को देखता और समझता है, और अपनी पसंद के अनुसार जीता है। कोई भी महिला किसी को खुश करने या किसी और की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए नहीं जीती और न ही कपड़े पहनती है। कंगना का यह बयान महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अपनी शर्तों पर जीने की प्रेरणा देता है। कंगना ने ऐश्वर्या की खूबसूरती और आत्मविश्वास की तारीफ करते हुए लिखा, ऐश बेहद खूबसूरत लग रही हैं और अगर कुछ लोग उन्हें किसी दूसरे रूप में देखना चाहते हैं, तो पहले उन्हें खुद को भी देखना चाहिए और अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। ऐश्वर्या किसी को खुश करने के लिए रेड कार्पेट पर नहीं आतीं, बल्कि वह अपनी अलग चमक, आत्मविश्वास और गरिमा के साथ वहां मौजूद रहती हैं, जो उनकी दशकों की पहचान है। कंगना ने जोर देकर कहा कि ऐश्वर्या अपने स्टाइल और व्यक्तित्व को अपनी शर्तों पर प्रदर्शित करती हैं। अपने पोस्ट में कंगना ने उम्र को लेकर होने वाली टिप्पणियों पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर लोग रेड कार्पेट पर बड़ी उम्र की महिलाओं को देखने के आदी नहीं हैं, तो अब उन्हें इसकी आदत डाल लेनी चाहिए।

सोनी सब के कलाकारों ने ग्लोबल पेरेंट्स डे पर साझा किए अपने माता-पिता से मिले प्यार और सीख

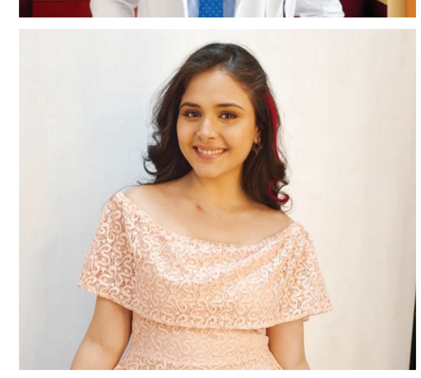

ग्लोबल पेरेंट्स डे के अवसर पर सोनी सब के कलाकार उन छोटे-छोटे पलों, जीवन की सीख और बिना शर्त मिले प्यार को याद कर रहे हैं, जो माता-पिता के साथ रिश्ते को खास बनाते हैं। बचपन की यादों से लेकर रोज़ाना मिलने वाले हौंसले और उन मूल्यों तक, जो ज़िंदगी भर मार्गदर्शन करते हैं, के बारे में अपने विचार रखते हुए, अभिनेता इक़बाल खान, गुलकी जोशी, मुस्कान बामने, समृद्ध बावा और दीक्षा जोशी ने दिल से साझा किया कि माता-पिता हमारे व्यक्तित्व को गढ़ने में कितनी अहम् भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि व्यस्त शेड्यूल और चुनौतीपूर्ण जीवन के बीच परिवार से मिलने वाला सुकून, ताकत और अपनापन कितना मायने रखता है। उनकी कहानियाँ माता-पिता के अनकहे त्याग और अंतहीन सहयोग का खूबसूरत जश्न मनाती हैं। इक़बाल खान, जो यादें में डॉ. देव का किरदार निभा रहे हैं, ने साझा किया, 'माता-पिता बनना आपको उन तरीकों से बदल देता है, जिनकी आपने कभी उम्मीद नहीं की होती। पहले मुझे लगता था कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ सुविधा देना और सुरक्षा करना है, लेकिन असल में यह मौजूद रहने के बारे में है। मेरी बेटियों ने मुझे और नरम, धैर्यवान और भावनात्मक रूप से जागरूक बना दिया है। साथ ही, इसने मुझे अपने माता-पिता की और भी ज़्यादा कद्र करना सिखाया, क्योंकि अब मैं समझता हूँ कि उन्होंने हमारे लिए कितनी चीज़ें बिना किसी उम्मीद के कीं।' गुलकी जोशी, जो यादें में डॉ. सृष्टि अग्रवाल का किरदार निभा रही हैं, ने साझा किया, 'चाहे हम कितने भी बड़े हो जाएँ, यह जानना कि आपके माता-पिता हमेशा आपके साथ हैं, बेहद सुकून देने वाला होता है। मेरे माता-पिता ने मुझे ईमानदारी, अनुशासन और ज़मीन से जुड़े रहने का महत्व सिखाया है। एक ऐसी इंडस्ट्री में जहाँ भावनात्मक और मानसिक चुनौतियाँ लगातार रहती हैं, उनका सहयोग मुझे ताकत और संतुलन देता है। मेरी हर उपलब्धि तब तक अधूरी लगती है, जब तक मैं उसे सबसे पहले अपने माता-पिता के साथ साझा न करूँ।' मुस्कान बामने, जो पुष्पा इम्पॉसिबल में शनाया का किरदार निभा रही हैं, ने साझा किया, 'कम उम्र में इटारसी से मुंबई आकर अभिनय का सपना पूरा करना बहुत बड़ा कदम था और मुझे नहीं लगता कि मैं यह अपने माता-पिता के भरोसे और सहयोग के बिना कर पाती। घर से दूर रहने पर और भी ज़्यादा एहसास होता है कि माता-पिता आपके लिए रोज़ाना कितनी छोटी-छोटी चीज़ें करते हैं। चाहे मैं कहीं भी रहूँ या ज़िंदगी कितनी भी व्यस्त हो, उनका हौंसला हमेशा मुझे ताक़त देता है और याद दिलाता है कि मैंने यह सफर क्यों शुरू किया था।' समृद्ध बावा, जो पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन का किरदार निभा रहे हैं, ने साझा किया, 'माता-पिता में यह खूबसूरत क्षमता होती है कि वे सब कुछ ठीक कर देते हैं, चाहे ज़िंदगी कितनी भी अनिश्चित क्यों न लगे। मेरे माता-पिता ने मेरे हर सपने को बहुत भरोसे और सकारात्मकता के साथ समर्थन दिया है। उनका विश्वास मुझे हर पड़ाव पर आत्मविश्वास देता रहा है और सच कहूँ, तो आज भी मैं कोई बड़ा फैसला लेने से पहले उनकी सलाह ज़रूर लेता हूँ।' यादें और पुष्पा इम्पॉसिबल देखने के लिए सोनी सब से जुड़े रहिए।

सीएम साय ने ईमानदारी दिखाने वाले पत्रकार की तारीफ की

आनंद साहू जी की जितनी प्रशंसा की जाय, कम है...

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

साय ने ईमानदारी दिखाने वाले पत्रकार की तारीफ़ की। उन्होंने कहा, आनंद साहू जी की जितनी प्रशंसा की जाय, कम है। साधुवाद।

आज के दौर में जहां लोग छोटी-छोटी रकम के लिए भी ईमान बेच देते हैं, वहीं बेमेतरा के वरिष्ठ पत्रकार आनंद प्रकाश साहू ने ईमानदारी की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी पूरे जिले में चर्चा हो रही है। आज बुधवार तड़के करीब 4=30 बजे उन्हें शहर के सिग्नल चौक स्थित पुराने बस स्टैंड के पास मुख्य सड़क पर एक लावारिस

बैग पड़ा मिला। बैग खोलकर देखा गया तो उसमें करीब 30 लाख रुपए के सोना-चांदी के जेवर और 37 हजार रुपए नकद थे। लेकिन इतनी बड़ी रकम देखकर भी आनंद प्रकाश साहू का मन नहीं डोला। उन्होंने बिना देर किए बैग सीधे सिटी कोतवाली पहुंचाकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस ने जब बैग की जांच की तो उसमें भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण और नगदी मिली। मामले की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाई गई। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने बैग के असली मालिक का पता लगाकर सामान सुरक्षित लौटाने के निर्देश दिए। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव और एसडीओपी भुषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सोनल ग्वाला और उनकी टीम ने तेजी से जांच शुरू की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने बैग के मालिक विजय कुमार सोनी को खोज निकाला।

छत्तीसगढ़ में आज आंधी-तूफान का अलर्ट

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में नौतपा के बीज मौसम का मिजाज बदल गया है. अंबिकापुर, सूरजपुर जैसे क्षेत्रों में बारिश हुई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और हीटवेव से राहत मिली है. रायपुर समेत कई जिलों में मौसम विभाग ने तेज हवा और बारिश को लेकर यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है. लगभग 24 घंटों के बाद तापमान में गिरावट होने के आसार हैं.

मौसम विभाग ने जानकारी दी कि पिछले 24 घटों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है. एक-दो पॉकेट में ग्रीष्म लहर चली. आज से पूरे प्रदेश में मेघगर्जन के साथ तेज हवा, वज्रपात और वर्षा होने की गतिविधि में वृद्धि होने की संभावना है.

मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों के लिए 27 जिलों में बारिश, तेज रफ़्तार से चलने वाली आंधी, आकाशीय बिजली और बादल गरजने का अलर्ट जारी किया है. जशपुर, सुरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाज़ार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर और कोरिया में यलो अलर्ट जारी किया गया है.

भारत स्काउट-गाइड टीम ने कलेक्टर से की मुलाकात

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स में पदाधिकारियों ने बुधवार को कुलदीप शर्मा से सौजन्य मुलाकात किया। स्कार्फ लगाकर कलेक्टर का सम्मान किया गया तत्पश्चात सभी पदाधिकारियों के

द्वारा बुके भेंट किया गया।

भारत स्काउटस एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ तथा यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में चलाई जाने वाले तारुण्य वार्ता पर खुलकर चर्चा अभियान,जिला स्तर पर किये जा रहे कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, दीवार लेखन, विभिन्न स्थलों पर प्रचार आदि के विषय में विस्तार से बताया गया। कलेक्टर ने इस विषय को गांव -गांव, घर-घर तक जागरूक लोगों को जागरूक करने पर उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, खोडस राम कश्यप, डॉ. जगदीश हीरा साहू, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष रामाधार पटेल, सदस्य नरेश केशरवानी, मानकचन्द वर्मा जिला संगठन आयुक्त गाइड नेहा उपाध्याय, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड रजनीकला पाटकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संगठन की मजबूती से तेज होगा बस्तर का विकास-केदार कश्यप

कार्यकर्ताओं से किया संवाद, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने और जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाने पर दिया जोर

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

वन मंत्री केदार कश्यप आज बस्तर जिले के भानपुरी मंडल अंतर्गत आयोजित कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर जोर दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार लगातार बस्तर के विकास को प्राथमिकता देते हुए काम कर रही है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, वनाधिकार, रोजगार और कृषि के क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास की पहुँच सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आधारभुत सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ युवाओं, किसानों और वनांचल में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुँचाने का कार्य करते हैं। मंत्री केदार कश्यप ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुँचाने का आह्वान किया। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियान और सामाजिक गतिविधियों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्रीय मुद्दों और स्थानीय आवश्यकताओं को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए। केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार 卐विकसित बस्तर卐 के संकल्प के साथ कार्य कर रही है और आने वाले समय में क्षेत्र में विकास की गति और तेज होगी। बैठक में बस्तर के पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, पूर्व विधायक लच्छू कश्यप, जनपद अध्यक्ष संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान , मंडल अध्यक्ष प्रवीण सांखला , जिला मंत्री खितेश मौर्य, विजय पांडे, तुलसू कश्यप जनपद सदस्य गौरव कश्यप सहित मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वच्छता के उत्कृष्ट कार्य पर खम्हार के स्वच्छग्राही समूह का सम्मान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार 2026 के तहत जनपद पंचायत धरमजयगढ़ के खम्हार में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) रायगढ़ के अंतर्गत स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छग्राही समूह को सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत खम्हार के स्वच्छग्राही समूह के अध्यक्ष एवं सचिव को जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीनव बिरजू राठिया द्वारा साड़ी एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में समूह द्वारा गांव में स्वच्छता जागरूकता, साफ-सफाई एवं सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राठिया ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा सामाजिक दायित्व है। ग्राम खम्हार के स्वच्छग्राही समूह ने जिस समर्पण और जिम्मेदारी के साथ गांव को स्वच्छ एवं जागरूक बनाने का कार्य किया है, वह अन्य ग्राम पंचायतों के लिए प्रेरणादायी है। इस अवसर पर उन्होंने 卐स्वच्छ गांव-स्वस्थ समाज卐 का संदेश देते हुए ग्रामीणों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। यह सम्मान स्वच्छता दीदियों के उत्साह, मेहनत और समर्पण का प्रतीक बताया गया, जिसने गांव में स्वच्छ वातावरण निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रायपुर नगर पालिक निगम

ब्राम्हणपारा वार्ड क्षेत्र धोबीपारा उद्यान परिसर के समीप आरआरआर सेंटर नये स्वरूप में प्रारंभ

महापौर मीनल चौबे ने स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा, ब्राम्हणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू सहित लोकार्पण कर शुभारंभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

से स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन कमांक 4 क्षेत्र के अंतर्गत ब्राम्हणपारा वार्ड क्षेत्र अंतर्गत धोबीपारा उद्यान के समीप सामुदायिक भवन में आरआरआर सेंटर नये स्वरूप में प्रारंभ हो गया। वहां पहुंचकर नगर निगम के जोन 4 के आरआरआर सेंटर का नये स्वरूप में लोकार्पण कर शुभारम्भ नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, ब्राम्हणपारा वार्ड पार्षद अजय साहू सहित पार्षद प्रतिनिधि संतोष हियाल, पूर्व पार्षद प्रेम बिरनानी, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राघवेंद्र सिंह ठाकुर, मण्डल अध्यक्ष संतोष सोनी, जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चन्द्रवंशी, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह,

स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता योगेश कडु, सहायक अभियंता दीपक देवांगन , अमन चंद्राकर, उप अभियंता एसबीएम श्रीमती कृष्णा राठी, संस्कार शर्मा, धरोहर महिला स्वसहायता समूह की पदाधिकारी महिलाओं, आमजनों की उपस्थिति में करते हुए शानदार सौगात दी । इस नये स्वरूप वाले आरआरआर सेंटर में नगर निगम रायपुर द्वारा एक ई बैटरी वाहन उपलब्ध कराया गया है जो नगर निगम जोन क्रमांक 4 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 7 वार्डो में जाकर वहां से रहवासी नागरिकों के घरों से अनुपयोगी वस्तुएं संग्रह करके लाने का कार्य करेगा, जिन्हें समाज के जरूरतमंद नागरिकों को स्वच्छ भारत मिशन योजना स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025-26 अंतर्गत उपलब्ध कराया जायेगा। इस नये स्वरूप वाले आरआरआर सेंटर में नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर महिलाओं के कल्याणार्थ सिलाई मशीन की व्यवस्था दी गई है। जिस पर महिलाएं कार्य कर रोजगारयुक्त हो सकेंगी एवं आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगी। यहां नये स्वरूप वाले आरआरआर सेंटर का संचालन धरोहर स्वसहायता समूह की पदाधिकारी महिलाओं के माध्यम से जनहित में योजना अंतर्गत किया जायेगा। बर्तनों, पुराने प्लास्टिक सामानों अन्य पुरानी अनुपयोगी वस्तुओं को रखने की व्यवस्था दी गई है। जिससे नागरिकों को यहां नगर निगम जोन 4 के ब्राम्हणपारा वार्ड क्षेत्र में धोबीपारा उद्यान के समीप सामुदायिक भवन तक पहुंचकर अपने घरों की अनुपयोगी वस्तुओं को देना सहज और सरल हो सके।

किचन का पाईप नाली में जोडने और कचरा और प्लास्टिक बाहर नाली में पाये जाने पर सीलबंद किये गए केएफसी पर 50 हजार रूपये ई चालान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

टीम प्रहरी अभियान अतर्गत रायपुर पुलिस कमिश्नर श्री संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही के मार्गनिर्देशन और जोन स्वास्थ्य अधिकारी सर्वश्री अमित बेहरा, रवि लावनिया, संदीप वर्मा, आदिव्य हजारी, जोन 10 स्वच्छता निरीक्षक श्री यशवंत बेरिहा एवं नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उडनदस्ता टीम के अन्य सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियो की उपस्थिति में जोन 10 क्षेत्र अतर्गत पचपेडीनाका में स्थित केएफसी को औचक निरीक्षण जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने किये जाने पर गदगी पाये जाने, किचन का पाईप सीधे सार्वजनिक नाली मे जोडा जाना पाये जाने और केएफसी का कचरा और प्लास्टिक बाहर सार्वजनिक नाली में

पाये जाने साथ ही केएफसी को दी गई नोटिस का केएफसी द्वारा कोई जवाब नगर निगम को नहीं दिये जाने और ना ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत कोई भी उचित कार्यवाही करने की स्थिति मिलने पर स्थल पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उडनदस्ता की टीम द्वारा कड़ी कार्यवाही कर केएफसी को एसटीपी की व्यवस्था ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अनुसार नही पाये जाने पर विगत दिवस तत्काल सीलबंद कर दिया गया था ।

नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र में सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत आठवां जनसमस्या निवारण शिविर

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री अरुण साथ के मार्गदर्शन में नगरीय निकाय क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों के विभिन्न 10 स्थानों पर सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर लगाये जायेंगे। इस हेतु छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और रायपुर जिला प्रशासन के मार्गनिर्देशन में रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी 10 जोनों में सुशासन विहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन की प्रशासनिक कार्यवाही जोनवार प्रगति पर है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में रायपुर नगर पालिक निगम जोन 7 अंतर्गत वार्ड कमांक 22, 23, 24, 25, 36, 37 एवं 38 क्षेत्र हेतु दिनांक 8 जून 2026 को रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में अंतिम और दसवां जनसमस्या निवारण शिविर पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में लगाया जायेगा।

इसके पूर्व सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत रायपुर ग्रामीण, रायपुर उत्तर एवं धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में रायपुर नगर पालिक निगम जोन 9 के वार्ड क्रमांक 7, 8, 9, 10, 11, 32 एवं 51 हेतु दिनांक 29 मई 2026 शुक्रवार को गारमेंट फैक्टरी पॉम बेलाजियो के सामने रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में आठवां जनसमस्या निवारण शिविर लगाया जायेगा।

आयुक्त संबित मिश्रा ने जोन कमिश्नरों को प्रशासनिक एवं वित्तीय रूप से सशक्त बनाने अधिकारों को प्रत्यायोजित किया

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा, ने छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 69 (4) में प्रदत्त शक्तियों के अधीन नगर पालिक निगम रायपुर के जोन कार्यालयों को प्रशासनिक एवं वित्तीय रूप से सशक्त बनाने एवं कार्यों को सुचारू रूप से शीघ्रता से निपटाने की दृष्टि से जोन कमिश्नरों को शक्तियों एवं अधिकारों को प्रत्यायोजित किया है। आयुक्त द्वारा जारी आदेश के अनुसार 20 लाख रूपये तक के सभी कार्यों की सक्षम स्वीकृति उपरांत निविदा आमंत्रण से लेकर कार्यादेश जारी करने जैसी समस्त कार्यवाही जोन कमिश्नर द्वारा की जावेगी। 20 लाख रूपये से अधिक के सभी कार्यों को सक्षम स्वीकृति उपरांत निविदा आमंत्रण कर अधीक्षण अभियंता द्वारा परीक्षण उपरांत निविदा समिति के माध्यम से अपर आयुक्त द्वारा निगम आयुक्त को प्रस्तुत किया जायेगा। जोन कमिश्नर द्वारा संपूर्ण अमले का विभागवार वेतन पत्रक का संधारण करने का कार्य किया जायेगा। जोन कमिश्नर को आदेशित किया गया है कि वे सामाजिक सुरक्षा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, का प्रकरण तैयार कर मुख्यालय में प्रभारी अधिकारी को सामाजिक सुरक्षा पेंशन को भेजें। जोन कमिश्नर समस्त प्रकार की प्राप्त राशि की ऑनलाईन डाटा एंट्री करेंगे तभी संबंधित मद में खर्च कर सकेंगें। आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने रायपुर मे कार्यरत अधिकारी, कर्मचारियो के समस्त स्वत्वो के भुगतान की स्वीकृति एवं भुगतान करने की शक्तियां, अधिकार प्रत्यायोजित कर दिया है।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शनिवार, 30 मई 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

जरूरी सत्ता परिवर्तन

कभी भाजपा के गढ़ रहे कर्नाटक में कांग्रेस की सत्ता वापसी में डी.के. शिवकुमार की बड़ी भूमिका मानी जाती रही है। जिस ऊर्जा व तेवरों से, उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव कांग्रेस सगंठन व कार्यकर्ताओं को एकजुट करके लड़ाया, उससे उम्मीद थी सरकार बनने के बाद उनकी ही ताजपोशी होगी। वे न केवल संगठन के सूत्रधार ही थे, बल्कि उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों का त्रास भी झेला था। बहरहाल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे ने अब तक उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते रहे डी.के. शिवकुमार की पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। देर से ही सही कांग्रेस हाईकमान ने उस चूक को दुरुस्त किया है, जिसके चलते कई राज्यों में नेतृत्व चयन की गफलत की बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी थी। बहरहाल, 77 वर्षीय सिद्धारमैया की सरकार ने पिछले ही सप्ताह अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद छोड़ा है। हालांकि, राज्यभर में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन संकेत देते हैं कि इस नेतृत्व परिवर्तन को एक सामान्य बदलाव के रूप में नहीं देखा जा सकता। कयास लगाए जा रहे हैं कि मौजूदा बदलाव मई 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सत्ता साझाकरण की बारी-बारी से व्यवस्था की अटकलों को बल देता प्रतीत होता है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी इस बात से इनकार करती है लेकिन ऐसा लगता है कि सत्ता के बंटवारे के इस समझौते ने कर्नाटक में पार्टी की आंतरिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। इस बदलाव के लिये लंबे समय तक प्रतीक्षारत रहे डी.के. शिवकुमार अब इस प्रतिष्ठित पद के लिये और इंतजार करते नहीं दिखायी दे रहे थे। जाहिरा तौर पर पहले की तरह वर्ष 2028 के चुनावी संग्राम के लिये पार्टी को तैयार करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। उन्हें अगले दो वर्षों में राज्य में सुशासन को प्राथमिकता देनी होगी। इस बात को कुछ देर से ही सही, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने महसूस तो किया है।

राजनीतिक पंडित मान रहे हैं कि कांग्रेस नेतृत्व को देर-सवेर अहसास होने लगा था कि जिस कर्नाटक को भाजपा दक्षिण का द्वार बताकर विगत में वर्चस्व बना चुकी है, वहां पार्टी को नेतृत्व-द्वंद्व का नुकसान हो सकता था। जिसकी पूर्ति तेज-तर्रार डी.के. शिवकुमार जैसे नेतृत्व से ही संभव हो सकती है। निर्विवाद रूप से वे अपेक्षाकृत कम उम्र के जुझारू राजनेता के रूप में पहचान रखते हैं। उन्हें कुशल चुनावी रणनीतिकार के रूप में जाना जाता रहा है। बहरहाल, अब कांग्रेस पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य में पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और दलितों का समर्थन बरकरार रखना है। माना जाता है कि इन वर्गों में सिद्धारमैया की खासी मजबूत पकड़ रही है। वहीं दूसरी ओर निवर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा केंद्र की राजनीति में भूमिका को स्वीकार करने के लिये दिए गए प्रस्ताव पर अनिच्छा जताने ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। बहरहाल, इसी तरह के अनिर्णय व असमंजस की स्थिति का नुकसान विगत में कांग्रेस कई राज्यों में उठा चुकी है।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर विशेष....

सुखद है 200 वर्षों का हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी।

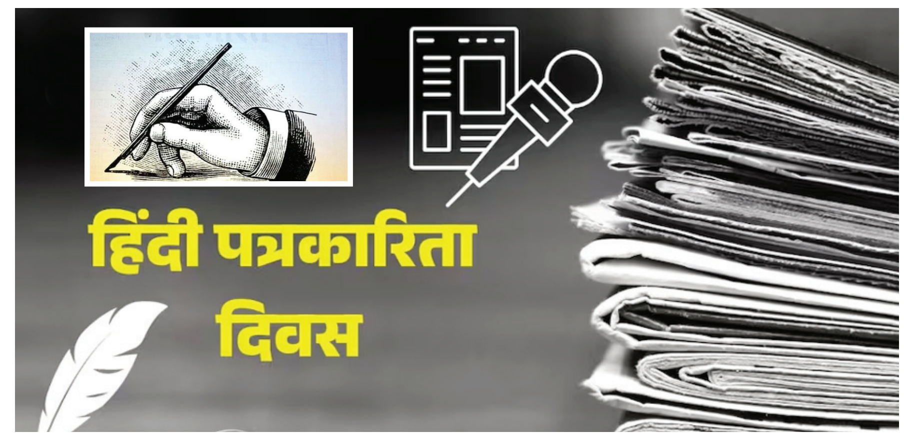

योगेश कुमार गोयल।

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर। यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं। बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता भी यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है।

इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वत: ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।

क्वॉड के वार से तिलमिलाये चीन-पाक ने जम्मू-कश्मीर पर उगला जहर, भारत के जवाब ने दोनों की बोलती कर दी बंद

नीरज कुमार दुबे।

दिल्ली में हुई क्वॉड देशों की बैठक ने चीन और पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ा दी है। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका ने एक सुर में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवाद पर करारा प्रहार किया तो पाकिस्तान तिलमिला उठा। दूसरी तरफ क्वॉड के मंच से चीन की विस्तारवादी चालों पर भी घेरा कस दिया गया। बस फिर क्या था, बौखलाए चीन और पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर को लेकर जहरीला बयान जारी कर अपनी कुंठा बाहर निकालनी शुरू कर दी। लेकिन नए भारत ने भी बिना देर किए ऐसा तगड़ा पलटवार किया कि बीजिंग और इस्लामाबाद दोनों की बोलती बंद हो गई। भारत ने साफ और दो टूक शब्दों में कह दिया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग थे, हैं और हमेशा रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने चीन और पाकिस्तान के साझा बयान को पूरी तरह अनावश्यक और अस्वीकार्य बताते हुए स्पष्ट कर दिया कि किसी दूसरे देश की इतनी औकात नहीं कि वह भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करे। नई दिल्ली ने यह भी जता दिया कि भारत अब हर उकसावे का जवाब उसी की भाषा में देना जानता है। दरअसल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की

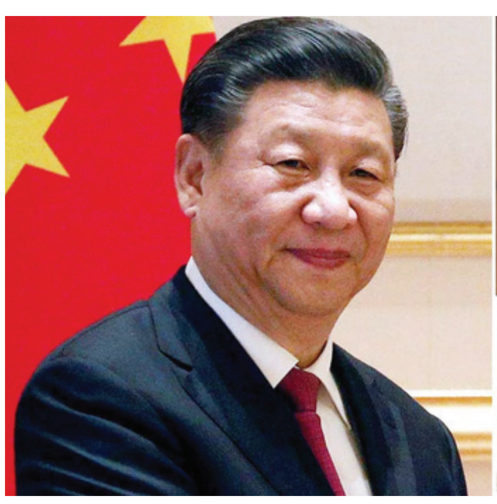

चीन यात्रा के दौरान जारी साझा बयान में चीन ने जम्मू-कश्मीर को तथाकथित इतिहास से जुड़ा विवाद बताने की कोशिश की। पाकिस्तान ने फिर वही पुराना राग अलापा और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों की आड़ लेकर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार करने की कोशिश की। लेकिन भारत ने तुरंत उनकी इस साजिश की धज्जियां उड़ा दीं। नई दिल्ली ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर पर भारत की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट और अटल है। दुनिया की कोई ताकत भारत की संप्रभुता को चुनौती नहीं दे सकती। भारत ने चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर भी बेहद कड़ा रुख अपनाया। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा कि इस परियोजना का हिस्सा भारत की उस संप्रभु भूमि से गुजरता है जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। भारत ने दो टूक चेतावनी दी कि किसी भी देश को पाकिस्तान के इस गैरकानूनी कब्जे को वैधता देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह सीधा संदेश चीन के लिए था, जो पाकिस्तान के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के खिलाफ चालें चलता रहता है। साथ ही नई दिल्ली ने चीन और पाकिस्तान के तथाकथित सीमा पार जल सहयोग के दावे की भी हवा निकाल दी। भारत ने तीखा सवाल पूछा कि जब चीन और पाकिस्तान की कोई साझा सीमा ही नहीं है तो फिर यह कथित सीमा पार जल सहयोग आखिर किस आधार पर हो रहा है। यह सवाल चीन की उस चालाक नीति पर जोरदार तमाचा है जिसके जरिये वह पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत को घेरने की नाकाम कोशिश करता रहता है। उधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईद के मौके पर भी जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर अपनी हताशा जाहिर कर दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर तथाकथित भारतीय कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया। लेकिन सच यह है कि पाकिस्तान आज आर्थिक बर्बादी, आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अलगाव से जूझ रहा है। दुनिया उसे आतंक फैलाने वाले देश के रूप में देखती है और अब वह चीन के सहारे भारत के खिलाफ बयानबाजी कर अपने लोगों को भरमाने की कोशिश कर रहा है। साथ ही चीन की भूमिका भी पूरी तरह दोहरी और स्वार्थी नजर आई। एक तरफ वह भारत के साथ संबंध सुधारने की बात करता है, दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत की अखंडता पर सवाल उठाने की कोशिश करता है। लेकिन चीन को अब यह बात गांठ बांध लेनी चाहिए कि यह नया भारत है।

अब भारत हर मंच पर आंख में आंख डालकर जवाब देता है और अपनी संप्रभुता पर किसी भी तरह की चोट बर्दाश्त नहीं करता। सच्चाई यही है कि पूरा का पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान ने जिस हिस्से पर अवैध कब्जा कर रखा है, वह भी भारत की ही भूमि है। चीन और पाकिस्तान दोनों को समझ लेना चाहिए कि भारत की अखंडता से खिलवाड़ करना बहुत भारी पड़ेगा।

पाकिस्तान और चीन को यह भी समझना होगा कि आतंकवाद के सहारे और झूठे बयानों के दम पर इतिहास नहीं बदला जा सकता। भारत ने जिस मजबूती के साथ चीन और पाकिस्तान के साझा बयान को खारिज किया है, उसने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि अब भारत किसी दबाव में आने वाला नहीं। पाकिस्तान और चीन चाहे जितनी साजिशें रच लें, लेकिन जम्मू-कश्मीर भारत का मुकुट है और इस मुकुट पर किसी की बुरी नजर कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुश्किल में है आधी आबादी की आवाजाही

डॉ. प्रियंका सौरभ।

भारत में किसी बस स्टॉप पर खड़ी स्त्री का दृश्य सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन यदि हम उसे थोड़ा गहराई से देखें तो वह केवल एक यात्री नहीं दिखाई देती। वह अपने साथ समाज की अनेक परतें, संघर्ष, उम्मीदें और सवाल लेकर खड़ी होती है। वह बस का इंतज़ार कर रही होती है, लेकिन साथ ही वह अपने अधिकारों, अवसरों और सम्मानजनक अस्तित्व की भी प्रतीक्षा कर रही होती है। विडंबना यह है कि जिस दृश्य को हम प्रतिदिन देखते हैं, उसके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अर्थों को समझने की कोशिश बहुत कम करते हैं। भारतीय समाज में पुरुष और महिला की सार्वजनिक उपस्थिति को लेकर आज भी एक बड़ा अंतर मौजूद है। यदि रात के समय कोई पुरुष सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे, बस का इंतजार करता मिले या किसी चाय की दुकान पर बैठा हो, तो यह एक सामान्य बात मानी जाती है। लेकिन यदि वही दृश्य किसी महिला के साथ हो तो अनेक प्रश्न स्वत: खड़े हो जाते हैं। वह कहाँ जा रही है? अकेली क्यों है? इतनी देर तक बाहर रहने की क्या आवश्यकता है? कौन उसका इंतजार कर रहा होगा? ये प्रश्न केवल जिज्ञासा नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता के प्रतीक हैं जो महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही को अब भी पूरी तरह सहजता से स्वीकार नहीं कर पाई है। यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। महानगरों में भी महिलाएँ सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को पुरुषों की तुलना में अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं। उनके लिए घर से बाहर निकलना केवल एक भौतिक यात्रा नहीं होता, बल्कि अनेक मानसिक और सामाजिक बाधाओं को पार करने की प्रक्रिया भी होता है। इसीलिए महिलाओं की आवाजाही से जुड़ी योजनाओं, सुविधाओं और नीतियों का महत्व केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी होता है। जब सरकारें महिलाओं के लिए मुफ्त या रियायती बस यात्रा जैसी योजनाएँ लागू करती हैं, तो उसका महत्व केवल किराए की बचत तक सीमित नहीं रहता। यह उन महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलता है जिनके लिए प्रतिदिन का छोटा-सा खर्च भी निर्णयों को प्रभावित करता है। कई परिवारों में आज भी महिलाओं की शिक्षा, नौकरी या अन्य गतिविधियों पर होने वाला खर्च एक अतिरिक्त बोझ माना जाता है। ऐसे में परिवहन का खर्च कम होना उन्हें अधिक स्वतंत्रता प्रदान कर सकता है।

यह समझना आवश्यक है कि घर से बाहर निकलने वाली हर महिला केवल नौकरी पर नहीं जा रही होती। वह अपने जीवन के किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य की ओर बढ़ रही हो सकती है। कोई महिला अपनी बीमार माँ की देखभाल के लिए दूसरे मोहल्ले या शहर जा रही हो सकती है। कोई विवाह के बाद छूट गई पढ़ाई को फिर से शुरू करने का साहस जुटा रही हो सकती है। कोई बेहतर रोजगार की तलाश में प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर रही हो सकती है। कोई अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अतिरिक्त काम कर रही हो सकती है। और यह भी संभव है कि वह केवल कुछ क्षणों की मानसिक शांति के लिए घर से बाहर निकली हो, क्योंकि घर के भीतर उसका अवैतनिक श्रम कभी समाप्त नहीं होता।

भारतीय समाज में महिलाओं का घरेलू श्रम आज भी बड़े पैमाने पर अदृश्य बना हुआ है। भोजन बनाना, बच्चों की देखभाल करना, बुजुर्गों की सेवा करना, घर की साफ-सफाई और अनगिनत छोटे-बड़े काम ये सब ऐसे कार्य हैं जिनके बिना परिवार का जीवन संभव नहीं है, लेकिन इनका आर्थिक मूल्य नहीं आँका जाता। ऐसे में जब कोई महिला घर से बाहर निकलती है तो वह केवल एक व्यक्ति के रूप में नहीं बल्कि अनेक जिम्मेदारियों के बोझ के साथ निकलती है। उसके पास समय कम होता है, संसाधन सीमित होते हैं और सामाजिक अपेक्षाएँ अधिक होती हैं। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की उपस्थिति को लेकर हमारी सामाजिक सोच में भी अनेक विरोधाभास दिखाई देते हैं। एक ओर हम महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, दूसरी ओर उनकी स्वतंत्र आवाजाही को लेकर संदेह और नियंत्रण की प्रवृत्ति भी बनाए रखते हैं। परिवार अक्सर बेटियों को पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन देर शाम घर लौटने को लेकर चिंतित रहते हैं। वे चाहते हैं कि महिलाएँ आगे बढ़ें, लेकिन उनके रास्ते में अनेक सामाजिक सीमाएँ भी खड़ी कर देते हैं। महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन केवल यात्रा का साधन नहीं है, बल्कि सामाजिक भागीदारी का माध्यम भी है। यदि परिवहन सुलभ, सुरक्षित और किफायती हो तो महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। दुनिया भर के अनेक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि महिलाओं की गतिशीलता बढ़ने से उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ती है। इसलिए महिलाओं की आवाजाही को केवल परिवहन नीति के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक विकास की नीति के रूप में देखा जाना चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में महिलाओं की बड़ी संख्या आज भी इसलिए अवसरों से वंचित रह जाती है क्योंकि उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध नहीं होता। अनेक छात्राएँ दूर के कॉलेजों में प्रवेश नहीं लेतीं क्योंकि यात्रा कठिन या असुरक्षित होती है। कई महिलाएँ बेहतर नौकरी के अवसर छोड़ देती हैं क्योंकि देर शाम लौटना उनके लिए जोखिमपूर्ण माना जाता है। इस प्रकार असुरक्षित सार्वजनिक स्थान केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता को ही सीमित नहीं करते, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति को भी प्रभावित करते हैं। हालाँकि केवल सुरक्षा की चर्चा पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक स्थानों पर सम्मानजनक व्यवहार भी उतना ही आवश्यक है। महिलाओं को अक्सर घूरती निगाहों, अनावश्यक टिप्पणियों और असहज वातावरण का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करता है और कई बार उन्हें सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के लिए मजबूर करता है। किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल अपराध दर से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वहाँ लोग एक-दूसरे के प्रति कितना सम्मानपूर्ण व्यवहार करते हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सार्वजनिक अनुशासन का प्रश्न केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है। फुटपाथों पर अवैध पार्किंग, यातायात नियमों की अवहेलना, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाना और सामुदायिक संसाधनों का दुरुपयोग जैसी समस्याओं में समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी दिखाई देती है। इसलिए समाधान भी सामूहिक होना चाहिए। महिलाओं और पुरुषों दोनों को समान रूप से नागरिक जिम्मेदारियों का पालन करना होगा। सार्वजनिक जीवन तभी बेहतर बन सकता है जब अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी महत्व दिया जाए। शहरों की संरचना और विकास योजनाओं में भी महिलाओं की आवश्यकताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है। अधिकांश शहर पुरुष-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ विकसित हुए हैं। सड़कें, परिवहन प्रणाली, सार्वजनिक शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्थाएँ अक्सर महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर नहीं बनाई गईं। परिणामस्वरूप महिलाएँ अनेक असुविधाओं का सामना करती हैं। यदि वास्तव में समावेशी शहर बनाने हैं तो शहरी नियोजन में महिलाओं के अनुभवों और आवश्यकताओं को केंद्र में रखना होगा। महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और समानता का प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में प्रत्येक नागरिक को बिना भय और भेदभाव के सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने का अधिकार होना चाहिए। यदि आधी आबादी को अपने अधिकारों के उपयोग के लिए अतिरिक्त संघर्ष करना पड़े तो यह समाज की सामूहिक विफलता है। आज आवश्यकता केवल नीतियों और योजनाओं की नहीं, बल्कि मानसिकता में बदलाव की भी है। हमें अपनी बेटियों को यह विश्वास देना होगा कि सार्वजनिक स्थान भी उतने ही उनके हैं जितने किसी और के। हमें अपने बेटों को यह सिखाना होगा कि महिलाओं की स्वतंत्रता कोई विशेष सुविधा नहीं बल्कि उनका मौलिक अधिकार है। हमें यह समझना होगा कि किसी महिला का अकेले यात्रा करना, देर शाम घर लौटना या अपने लिए समय निकालना असामान्य नहीं है। बस स्टॉप पर खड़ी स्त्री दरअसल बदलते भारत की तस्वीर है। वह अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेना चाहती है। वह शिक्षा, रोजगार और अवसरों तक समान पहुँच चाहती है। वह अपने सपनों को सीमाओं के भीतर नहीं, बल्कि खुले आकाश में उड़ान देना चाहती है। उसका संघर्ष केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संघर्ष है। जब किसी समाज में महिलाएँ बिना भय के यात्रा कर सकें, बिना संदेह के देखी जाएँ और बिना बाधाओं के अपने लक्ष्य तक पहुँच सकें, तभी उस समाज को वास्तव में प्रगतिशील कहा जा सकता है। विकास केवल ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों और आधुनिक तकनीकों से नहीं मापा जाता। विकास का वास्तविक पैमाना यह है कि समाज अपने सबसे कमजोर और वंचित वर्गों को कितनी गरिमा और स्वतंत्रता प्रदान करता है। बस स्टॉप पर खड़ी स्त्रियाँ हमें प्रतिदिन एक मौन संदेश देती हैं। वे बताती हैं कि आज़ादी केवल संविधान में लिखे शब्दों से नहीं आती, बल्कि उन परिस्थितियों से आती है जिनमें व्यक्ति अपने अधिकारों का निर्भय होकर उपयोग कर सके। वे याद दिलाती हैं कि समानता केवल नारे नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के जीवन में महसूस होने वाली वास्तविकता होनी चाहिए। जिस दिन किसी बस स्टॉप पर खड़ी महिला को यह चिंता न रहे कि लोग उसके बारे में क्या सोचेंगे जिस दिन उसकी सुरक्षा और सम्मान पर कोई प्रश्नचिह्न न लगे, जिस दिन उसका सफ़र केवल एक सामान्य यात्री का सफ़र माना जाए। उसी दिन हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। बस स्टॉप पर खड़ी स्त्रियाँ केवल बस की प्रतीक्षा नहीं कर रहीं; वे उस समाज की प्रतीक्षा कर रही हैं जो उन्हें पूर्ण नागरिक, स्वतंत्र व्यक्ति और समान अधिकारों वाले इंसान के रूप में स्वीकार करे।

उप मुख्यमंत्री साव एवं मंत्री गुरु खुशवंत साहेब की संयुक्त जनसभा से बम्हनीडीह में भाजपा के पक्ष में बना प्रचंड माहौल

संकल्प पत्र के विमोचन के साथ भाजपा ने रखा विकास का रोडमैप, ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का आह्वान

रायपुर, बम्हनीडीह/जांजगीर-चांपा/सक्ती/ (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पंचायत बम्हनीडीह चुनाव में भाजपा के पक्ष में लगातार जनसमर्थन बढ़ता जा रहा है। भाजपा के चुनावी अभियान को आज उस समय और अधिक मजबूती मिली जब छत्तीसगढ़ शासन के माननीय उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी एवं कैबिनेट मंत्री तथा आरंग विधायक माननीय गुरु खुशवंत साहेब जी की गरिमामयी उपस्थिति में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया।

जनसभा में दोनों नेताओं ने नगरवासियों से विकास, सुशासन एवं जनकल्याण के लिए भाजपा अध्यक्ष प्रत्याशी रमेश कुमार डडसेना एवं सभी पार्षद प्रत्याशियों को कमल छाप पर मतदान कर प्रचंड मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक 'विकास का कमल खिलाएंगे, भाजपा को जिताएंगे' के जयघोष के साथ भाजपा की ऐतिहासिक विजय का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा का 'संकल्प पत्र' भी जारी किया गया। संकल्प पत्र के माध्यम से नगर पंचायत बम्हनीडीह के सर्वांगीण विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

माननीय उप मुख्यमंत्री अरुण साव जी ने कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा नगर पंचायत बम्हनीडीह में भाजपा की सरकार बनने के बाद विकास को नई गति मिलेगी। वहीं कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि ट्रिपल इंजन सरकार बनने से क्षेत्र के विकास को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य किए जाएंगे।

नगर पंचायत चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल को और अधिक मजबूत बनाने में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी अनुराग सिंह देव जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके कुशल नेतृत्व, प्रभावी रणनीति एवं सतत मार्गदर्शन में भाजपा का चुका साहेब जी द्वारा जनसभा, डोर-टू-डोर जनसंपर्क, सामाजिक बैठकों एवं वार्ड चलाए जा रहे सघन प्रचार अभियान को जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त हो रहा है।

बस स्टैंड में ख़राब आम बिक रही थी, खाद्य विभाग ने मारी रेड

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को भाटापारा बस स्टैंड के फल दुकानों का निरीक्षण के दौरान 280 किलोग्राम खराब आम को नष्ट कराया गया।

टीम द्वारा हनुमान फल भण्डार नया बस स्टैण्ड भाटापारा व महेश फ्रूट कम्पनी भाटापारा की जांच की गई।महेश फ्रूट कम्पनी में लगभग 280 किलोग्राम खराब आमों को नष्ट कराने हेतु निगम गाड़ी को दिया गया।सभी फल दुकानों को खराब फल विक्रय नहीं करने व खराब फल को अलग कर नष्टीकरण हेतु निगम की गाड़ी को ही देने के निर्देश दिये गये।

इसीतरह आशीर्वाद बेकरी बिलासपुर रोड, सिमगा का निरीक्षण किया गया,जहां विक्रय हेतु बिना उत्पाद तिथि वाले आईस कैन्डी का भंडारण पाया गया। विधिवत जांच हेतु नमूना लिया गया तथा फर्म द्वारा बिना वैध खाद्य लाइसेंस के व्यवसाय करने का प्रकरण बनाया गया।

सिक्खों के पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव के 420वें शहीदी वर्ष पर आज चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

श्री गुरु अर्जन देव जी के 420 वें शहीदी वर्ष के अवसर पर छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा विशाल छबील अर्थात शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन 30 मई 2026 को किया जा रहा है जो पूरे प्रदेश में सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा।

इस कार्यक्रम के माध्यम से श्री गुरु अर्जन देव जी के धर्म ना छोड़ने के लिए त्याग और बलिदान को श्रद्धांजलि दी जाएगी, साथ ही उनके जीवन के प्रेरणादायक क्षणों और शिक्षाओं से संबंधित उनकी जीवनी से संबंधित फोटो प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है, ताकि आज के बच्चों, युवाओं और जनसामान्य को उनके बलिदान से अवगत करवाकर उन्हें धर्म के प्रति जागरूक किया जाय।श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर आयोजित विशाल छबील में छत्तीसगढ़ के सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों, समाजसेवी संस्थाओं, संगठनों और एसोसिएशनों के पदाधिकारी और समाज के सभी वर्गों की महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों की भागीदारी रहेगी, सभी श्री गुरु अर्जन देव जी की शहीदी पर शरबत वितरण सेवा में भाग लेंगे और गुरू अर्जन देव जी की शहादत को नमन करेंगे।इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी सहित सभी मंत्री, जनप्रतिनिधि शामिल होकर श्री गुरु

अर्जन देव जी की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके जीवन चरित्र के बारे में जानेंगे तथा अपने हाथों से शरबत वितरित कर सेवा का पुण्य प्राप्त करेंगे। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा सहित समाज के सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के अध्यक्ष सचिव ने संगत से अपील की है कि वे इस विशाल छबील में शामिल होकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें तथा अपने बच्चों को श्री गुरु अर्जन देव जी के जीवन इतिहास से संबंधित प्रदर्शनी दिखाकर उन्हें गुरुओं के त्याग बलिदान के बारे में अवगत कराएं श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी वर्ष पर समाज सेवा के इस अद्वितीय कार्य में भाग लें और अपना जीवन सफल करें।छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा एवं सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर समर्पण और उत्साह के साथ सभी नागरिकों से इस पुण्य कार्य में भाग लेने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा,

समाज के अन्य प्रमुख सदस्यों नरेंद्र सिंह हरगोत्रा, स्वर्ण सिंह चावला, कुलवंत सिंह खालसा, मनजीत सिंह भाटिया, स्वर्णपाल सिंह चावला, जागीर सिंह बावा, देवेंद्र सिंह चावला, रणजीत सिंह खनूजा, अमृत सिंह सूर, जसप्रीत सिंह चावला, इंदर पाल सिंह गांधी, गुरमीत सिंह छाबड़ा, मानवेंद्र सिंह डडियाला, गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा जी साहिब गुरुद्वारा के प्रधान हरकिशन सिंह राजपूत एवं अत्तर सिंह ने बताया कि 30 मई 1606 के दिन जहांगीर द्वारा गर्म तवे पर बैठाकर ऊपर से गर्म रेत डालकर श्री गुरु अर्जन देव जी को प्रताड़ना दी गई थी परंतु उन्होंने इस्लाम धर्म को स्वीकार नहीं किया और प्राण त्याग दिए 7 इसी कारण इस दिन सिक्ख समाज द्वारा पूरे दुनिया में ठंडा मीठा शरबत वितरण कर उन्हें नमन करता है।इस छबील अर्थात मीठे जल वितरण का उद्देश्य श्री गुरु अर्जन देव जी के बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करना और धार्मिक और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है।

दिनांक : 30 मई 2026

स्थान : तेलीबांधा तालाब के सामने

समय : सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक

मंत्री गजेंद्र यादव ने सुनीं जनता की समस्याएं

दुर्ग विधानसभा के वार्ड क्रमांक 48 का किया दौरा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री गजेंद्र यादव ने आज दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 48 में स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं सुनीं। स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने सड़क, पेयजल पाइपलाइन, पॉवर पंप सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और सुधार कार्यों का जायजा लिया। मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यों में गुणवत्ता और तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस दौरान वार्ड पार्षद श्रीमती लोकेश्वरी ठाकुर एवं क्षेत्रवासियों के साथ मंत्री यादव ने वार्ड का निरीक्षण किया। मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सुशासन, विकास और जनसेवा की भावना के साथ अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर विकास कार्यों को गति देना है, ताकि प्रत्येक नागरिक को बेहतर आधारभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके।

सुशासन तिहार से साय सरकार के प्रति मजबूत हो रहा जनविश्वास

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सुशासन तिहार 2026 से छग की साय सरकार के प्रति जनविश्वास मजबूत साबित होता दिख रहा है। क्योंकि जनता को सुशासन तिहार में सभी सुविधा मिल रही है। अटके कामों का समाधान तुरंत हो रहा है। इसी कड़ी में गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत आमाडोब पटपरी निवासी किसान रूपसिंह नेताम इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिन्हें सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में तत्काल नई किसान किताब उपलब्ध कराई गई। दरअसल, किसान रूपसिंह नेताम की किसान किताब कुछ दिन पहले गुम हो गई थी। किसान किताब नहीं होने के कारण उन्हें कृषि कार्यों के संचालन, राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के समाधान के लिए उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की चिंता थी, लेकिन सुशासन तिहार के तहत आमाडोब में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने उनकी परेशानी को आसान कर दिया। शिविर में पहुंचकर रूपसिंह नेताम ने किसान किताब की द्वितीय प्रति प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन मिलते ही राजस्व विभाग ने तत्परता और संवेदनशीलता दिखाते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की तथा उन्हें तत्काल नई किसान किताब उपलब्ध करा दी। प्रशासन की इस त्वरित कार्यवाही से किसान रूपसिंह नेताम बेहद प्रसन्न नजर आए। रूपसिंह नेताम ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए कई बार दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब शिविर के माध्यम से समस्याओं का समाधान सरल, सहज

और समय पर हो रहा है।

महिला समूहों को मछली पालन के लिए आईस बॉक्स एवं मछली जाल प्रदान

दुलदुला विकासखंड की महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी शिविर में विशेष पहल की गई। मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन कार्य से जुड़ी महिलाओं को आईस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल वितरित किए गए, जिससे उन्हें मछली संरक्षण एवं विपणन कार्य में सुविधा मिल सकेगी। महिलाओं ने शासन की इस पहल के प्रति खुशी जताते हुए कहा कि इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

शिविर में मनरेगा अंतर्गत तीन हितग्राहियों को जॉब कार्ड भी प्रदान किए गए। इनमें ग्राम कस्तूरा की सोनी कुमारी, आशा देवी एवं कमला बाई शामिल हैं। हितग्राहियों ने कहा कि जॉब कार्ड मिलने से अब उन्हें गांव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मौके पर मिले प्रमाण पत्र, ग्रामीणों के चेहरे खिले

सुकमा जिले के ग्राम पंचायत किस्ताराम और सिंदूरगुड़ा शिविरों में ग्रामीणों को जन्म प्रमाण पत्र, वितरित किए गए। राज्य सरकार प्रशासन को गांव-गांव तक पहुंचाकर लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है।

राज्यपाल डेका से पर्वतारोही अंकिता गुप्ता ने की भेंट

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में पर्वतारोही सुअंकिता गुप्ता ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्वतारोहण उपलब्धियों तथा आगामी अभियानों की जानकारी राज्यपाल को दी।

सुअंकिता गुप्ता वर्तमान में कबीरधाम (कवर्धा) पुलिस लाइन में आरक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने वर्ष 2022 में लद्दाख स्थित यूटी कांगड़ी पर्वत शिखर पर सफलतापूर्वक पहुंचकर छत्तीसगढ़ की पहली महिला पर्वतारोही बनने का गौरव प्राप्त किया था। इसके अलावा उन्होंने यूरोपीय महाद्वीप के सर्वोच्च शिखर माउंट एल्ब्रुस पर तिरंगा फहराकर प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया।

भेंट के दौरान सुअंकिता ने राज्यपाल को बताया कि उनकी अगली योजना अफ्रीका महाद्वीप के सर्वोच्च शिखर माउंट किलिमंजारो पर आरोहण करने की है। उन्होंने अपने अब तक के पर्वतारोहण अभियानों, अनुभवों और भविष्य की तैयारियों से भी राज्यपाल को अवगत कराया।

राज्यपाल रमेन डेका ने अंकिता गुप्ता के साहस, दृढ़ संकल्प और उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि युवा प्रतिभाओं की ऐसी सफलताएं समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने अंकिता को उनके आगामी अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें हरसंभव सहयोग देने की बात कही।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत रेलवे कॉलोनियों में क्लीन एयर ग्रीन स्पेस जागरूकता अभियान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल द्वारा 'विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026' (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में दिनांक 27 से 30 मई 2026 तक मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक जन-जागरूकता एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 'पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और संसाधनों के संतुलित उपयोग के साथ भविष्य उन्मुख रेल परिचालन की दिशा में रेलवे के सतत प्रयास किए जा रहे हैं अपने आसपास हरियाली बढ़ाने आउटडोर एक्टिविटी करने। साथ ही यात्रियों एवं कर्मचारियों को एकल-उपयोग प्लास्टिक के प्रयोग से बचने, प्लास्टिक अपशिष्ट के उचित निपटान तथा स्टेशन परिसरों को स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाए रखने हेतु जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा हैं।

क्लीन एयर ग्रीन स्पेस जागरूकता अभियान के अंतर्गत डब्ल्यूआरएस एवं खारून रेल विहार रेलवे कॉलोनी में जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

रेलवे स्कूल बी एम वाय भिलाई में ड्राइंग एवं निबंध प्रतियोगिता कराई गई जिसमें एनवायरमेंट क्लाइमेट चेंज विषय सम्मिलित किए गए।

39वें शहादत दिवस पर सियाचिन के वीर सपूत शहीद द्वितीय लेफ्टिनेंट राजीव पाण्डेय को रायपुर में दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

विश्व की सबसे दुर्गम सैन्य चोटी सियाचिन ग्लेशियर पर राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराकर मातृभूमि की सेवा करते हुए दिनांक 29 मई 1987 को वीरगति को प्राप्त हुए रायपुर निवासी भारतीय सेना के द्वितीय लेफ्टिनेंट शहीद राजीव पाण्डेय का आज उनके 39 शहादत दिवस पर सादर नमन करने राजधानी शहर रायपुर के संजय नगर टिकरापारा में स्थित उनके मूर्ति स्थल के समक्ष उन्हें सादर

नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम जोन 6 के सहयोग से रखे गए संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, रायपुर नगर निगम जोन 6 जोन अध्यक्ष श्री बद्री प्रसाद गुप्ता, रायपुर निवासी शहीद राजीव पाण्डेय के परिजनों, नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर श्री हितेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्यजनों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं,वरिष्ठ नागरिकों, नवयुवकों, आमजनों ने मूर्ति स्थल पर पहुंचकर भारतीय सेना के द्वितीय लेफ्टिनेंट शहीद राजीव पाण्डेय को उनके 39वें शहादत दिवस पर सादर नमन किया.

सुशासन की गूंज : कचना महा-शिविर में उमड़ा 17 गांवों का हुजूम

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को आम जनता के दरवाजे तक पहुँचाने और उनकी समस्याओं पर सीधा प्रहार करने के लिए शुरू हुआ 'सुशासन तिहार 2026' अब धरातल पर एक बड़ा विश्वास बन चुका है। इसी कड़ी में धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के ग्राम पंचायत कचना में आयोजित क्लस्टर स्तरीय समाधान शिविर में उम्मीदों और समाधान का एक अनोखा संगम देखने को मिला। शिविर में 165 मामलों का मौके पर ही निपटारा (161 मांग और 4 शिकायतें) कर ग्रामीणों को तत्काल राहत दी गई द्य

मारी रेड, घूसखोर बाबू अरेस्ट

इस महा-शिविर में कचना सहित

आस-पास की कुल 17 ग्राम पंचायतों (सिलीडीह, सिलतरा, नवागांव (क), जी जामगांव, अंवरी, गणेशपुर, मडेली, भैंसबोड़, जरवायडीह, कोलियारी, जोरातराई (अ), थूहा, नवागांव (थू), सिर्वे, कुम्हारी और भेण्डसर) के ग्रामीणों का ऐसा सैलाब उमड़ा, जिसने शासन की इस मुहिम को पूरी तरह सफल बना दिया।

शिविर की भव्यता और जनता के विश्वास का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ कुल 819 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 812 आवेदन विभिन्न विकास कार्यों व मांगों से जुड़े थे, तो वहीं 7 आवेदन शिकायतों के रूप में दर्ज किए गए। प्रशासन ने भी मुस्तैदी दिखाते हुए 165 मामलों का मौके पर ही निपटारा (161 मांग और 4 शिकायतें) कर ग्रामीणों को तत्काल राहत की सौगात दी। शेष आवेदनों के लिए समय-सीमा तय कर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया गया है।

मौक्तिक शर्मा का निधन

जे -15 ,ग्रीन ऑर्चिड, दलदल, सिवनी मोवा, रायपुर निवासी मौक्तिक शर्मा आत्मज श्री सूर्यप्रकाश शर्मा (पौत्र श्रीमती शकुंतला शर्मा व स्व. श्री निहाल चंद शर्मा) का असामयिक निधन दिनांक 28.05.2026 को हो गया है। शवयात्रा दिनांक 30.05.2026 को निज निवास स्थान छ्-15 ग्रीन ऑर्चिड, दलदल, सिवनी मोवा, रायपुर से प्रातः 09:00 बजे मारवाड़ी मुक्ति धाम बूढ़ा तालाब जाएगी।

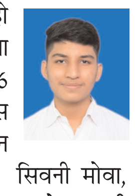

शोकाकुल: श्रीमती शकुंतला शर्मा(दादीजी),सूर्यप्रकाश शर्मा-श्रीमती भुवनेश्वरी शर्मा (माता-पिता), श्री कमलेंद्र-श्रीमती रक्षा,नितेश (चाचा-चाची) व समस्त वत्सस परिवार।

बस्तर से रायपुर तक आदिवासी महिला की पदयात्रा

कोण्डागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर जिले की रहने वाली आदिवासी महिला एवं मां दंतेश्वरी की पुजारिन लखमनी बघेल अपनी पैतृक जमीन वापस दिलाने की मांग को लेकर बस्तर से रायपुर तक लगभग 300 किमी की पदयात्रा पर निकली हैं। भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ के बैनर तले चल रही इस न्याय दो या प्राण लो पदयात्रा के तहत बुधवार की रात लखमनी बघेल अपने समर्थकों और संगठन पदाधिकारियों के साथ कोण्डागांव पहुंचीं। इस पदयात्रा की सबसे खास बात यह रही कि पदयात्री दल भारत के संविधान को व्हील चेयर पर रखकर साथ ले जा रहा है। इसके माध्यम से प्रदर्शनकारी यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि आज देश का संविधान विकलांग हो चुका है

और आदिवासी समाज को न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। तपती गर्मी में नंगे पांव चल रहे पदयात्रियों ने कहा कि वे रायपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मुलाकात करेंगे और सीधे उन्हें ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाएंगे। लखमनी बघेल ने आरोप लगाया है कि उनके पूर्वजों की लगभग 100 एकड़ से अधिक पैतृक भूमि थी, जिसके पुराने रिकॉर्ड और खसरा दस्तावेज आज भी उपलब्ध हैं। लेकिन वर्तमान में उनकी आधे से अधिक जमीन को नजूल घोषित कर दिया गया है और बाहरी लोगों द्वारा उस पर कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कई बार तहसील और प्रशासनिक कार्यालयों में आवेदन देने के बावजूद उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जमीन पर कब्जा करने वालों द्वारा उन्हें लगातार डराया-धमकाया जा रहा है तथा जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। लखमनी बघेल ने कहा कि यह केवल जमीन का विवाद नहीं बल्कि एक आदिवासी परिवार के सम्मान, अस्तित्व और अधिकार का सवाल है। मां दंतेश्वरी की पुजारिन होने के बावजूद उन्हें अपनी ही पुश्तैनी जमीन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री को सौंपे जाने वाले ज्ञापन में मांग की है कि लखमनी बघेल की सम्पूर्ण पैतृक भूमि का निष्पक्ष सीमांकन कराया जाए, पुराने रिकॉर्ड के आधार पर भूमि अधिकार बहाल किए जाएं, अवैध अतिक्रमण हटाया जाए तथा पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। संगठन ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की भी मांग उठाई है।

10 करोड़ के तेंदूपत्ता अग्निकांड : डीएफओ हटाए गए

बीजापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

ईटपाल स्थित अताउर्रहमान के निजी तेंदूपत्ता गोदाम में सोमवार को लगी भीषण आग के बाद जहां वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएफओ रमेश कुमार जांगड़े को पद से हटाकर मुख्यालय अटैच कर दिया, उनकी जगह आईएफएस जादव सागर रामचंद्र को बीजापुर का नया वनमंडलाधिकारी बनाया गया हैं। वहीं दूसरी ओर अब पूरे मामले में गोदाम की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले अधिकारियों कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं।

करीब 18 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता जलने से लगभग 10 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। घटना के बाद विभागीय हलकों और स्थानीय नागरिकों के बीच चर्चा तेज है कि आखिर गोदाम की सुरक्षा, रखरखाव और नियमित निरीक्षण की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। जबकि प्रथम दृष्टया तेंदूपत्ता भंडारण की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था की जवाबदेही सीधे तौर पर गोदाम प्रभारी और निरीक्षणकर्ता अधिकारियों की मानी जा रही है।

जानकारी के अनुसार तेंदूपत्ता के सुरक्षित भंडारण के लिए वन परिक्षेत्र अधिकारी बीजापुर दीक्षा बर्मन, वन परिक्षेत्र अधिकारी बीजापुर बफर सुभान्स मांझी, गोदाम प्रभारी दीनानाथ गोसाई, उपवन क्षेत्रपाल डमरू धर बघेल सहित अन्य गोदाम सहायकों की ड्यूटी लगाई गई थी। इन अधिकारियों और कर्मचारियों को गोदाम की सुरक्षा, निगरानी, रखरखाव और आग जैसी घटनाओं से बचाव के इंतजाम सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसके बावजूद इतनी बड़ी आगजनी की घटना होना कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर निरीक्षण, सुरक्षा मानकों का पालन और पर्याप्त निगरानी की गई होती, तो करोड़ों रुपये का तेंदूपत्ता जलने से बचाया जा सकता था।

सुशासन तिहार : 34 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

लोहण्डीगुड़ा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पारापुर में गुरुवार को सुशासन तिहार का भव्य एवं जनहितकारी आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र की 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई गई तथा उनकी समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से सभी विभागों के अधिकारियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक विनायक गोयल रहे। उनके द्वारा विभिन्न विभागों के कुल 33 करोड़ 77 लाख 49 हजार रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन विकास कार्यों में सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं को सीधे आम जनता तक पहुंचाने और निराकरण करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं मांगें अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनमें से कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। विधायक विनायक गोयल ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा ग्रामीणों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान को भूमि पट्टा वितरण किया गया, वहीं के जाल, कृषि विभाग द्वारा धान बीज एवं अन्य कृषि सामग्री, खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड तथा संबंधित विभागों द्वारा सिंचाई पम्प एवं अन्य आवश्यक सामग्री हितग्राहियों को प्रदान की गई।

न्यायपीठ ने बाल देखरेख संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

कोंडागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

जगदलपुर, 28 मई। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम 2015 के तहत जिला बस्तर की पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं का बाल कल्याण समिति न्यायपीठ जिला बस्तर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शासकीय बाल गृह बालक, बालिका गृह, खुला आश्रय गृह बालक, बस्तर सामाजिक जन विकास समिति तथा सेवा भारती मातृ छाया विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी जगदलपुर का अवलोकन किया गया।

बाल कल्याण समिति न्यायपीठ जिला बस्तर के अध्यक्ष नरेन्द्र पाणिग्राही ने बताया कि निरीक्षण के दौरान संस्थाओं में साफ-सफाई, बच्चों को दिए जा रहे पौष्टिक आहार, नियमित शिक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। समिति द्वारा संस्था अधीक्षकों एवं कर्मचारियों को बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में बाल गृहों में निवासरत बच्चों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण, हिंदी एवं अंग्रेजी पढ़ना-लिखना सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। समिति ने बताया कि सभी संस्थाएं किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप संचालित की जा रही हैं तथा देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के लिए उपलब्ध आवासीय सुविधाओं का प्रत्येक माह कम से कम दो बार निरीक्षण किया जाता है।

खुद करनी पड़ी नाली की सफाई, नियमित सफाई की उठी मांग

कोंडागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिका परिषद कोण्डागांव के सरगिपाल वार्ड क्रमांक 18 (स्कूल गली) में बीते कई दिनों से नाली की सफाई नहीं होने से वार्डवासियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा लंबे समय से सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, जिसके कारण नालियों में कचरा, पॉलीथिन और गंदगी जमा हो गई है।

वार्डवासियों ने बताया कि कई दिनों से पानी की सप्लाई भी प्रभावित है, जिससे समस्या और बढ़ गई है। नाली जाम होने के कारण गंदा पानी अब घरों में घुसने लगा है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद नगर पालिका के कर्मचारियों ने सफाई नहीं की, जिसके बाद मजबूर होकर पारा के लोगों ने स्वयं नाली की सफाई की। वार्डवासियों का कहना है कि उनके क्षेत्र की लगातार अनदेखी की जा रही है और नगर पालिका इस समस्या को लेकर पूरी तरह बेसुध नजर आ रही है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और नियमित निगरानी की मांग की है।

ग्रामीणों ने नहर पर बने पुल का पुनर्निर्माण कराने जनदर्शन में दिया आवेदन

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा।

जनदर्शन में अपर कलेक्टर योगिता देवांगन भी उपस्थित थीं। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 96 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली और उक्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इसी कड़ी में ग्राम मोरिदवासियों ने नहर पर बने पुल का पुर्ननिर्माण कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ग्राम मोरिद वार्ड 39 के क्वार्टर पारा क्षेत्र में नहर पर बने पुल की ऊंचाई सड़क सीमेंटीकरण होने की वजह से पुल के बराबर रोड हो गया है। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और पानी निकासी बाधित होने से सड़क पर जलभराव की समस्या बनी रहती है। ग्रामीणों ने आवेदन सौंपकर पुल के पुनर्निर्माण की मांग की, ताकि दुर्घटनाओं और जनहानि से बचा जा सके। इस पर कलेक्टर ने सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम सांतरा के मछुआरों ने अलग से मत्स्योद्योग सहकारी संस्था पंजीयन की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र की पुरानी संस्था तालाब लीज लेने के बाद स्वयं मत्स्य पालन नहीं कर अन्य लोगों को सौंप देती है, जिससे स्थानीय मछुआरों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। मछुआरों ने बताया कि सांतरा, मंटग और मानिकचौरी क्षेत्र के डेम व तालाबों में वर्षों से वे मत्स्य पालन का कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से नई सहकारी संस्था का पंजीयन कर रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की है। इस पर कलेक्टर ने उप संचालक मत्स्य विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वार्ड 59 हेरिटेज कॉलेज क्षेत्र के रहवासियों ने नेशनल हाईवे निर्माण कार्य में नाली व्यवस्था बदलने की शिकायत की। कातुलबोर्ड से कादम्बरी नगर-धमधा रोड तक बन रही नई जा रहा है, जहां पहले से कई वार्डों का पानी पहुंचता है। इससे बारिश में ज्वाहर नगर, शक्ति नगर, आशा नगर, कादम्बरी नगर और शांति नगर में बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। रहवासियों ने मांग की है कि हेरिटेज कॉलेज के पास से चौहान टाउन की ओर जाने वाली पुरानी नाली को पुनः जोड़ा जाए, ताकि पानी का बहाव दो हिस्सों में बंट सके और जलभराव की समस्या कम हो। इस पर कलेक्टर ने एसडीओ दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

थाना प्रभारियों व फील्ड आफिसरों को एसपी ने किया जागरूक

राजनांदगांव, (प्रतिदिन राजधानी)

कानून व्यवस्था, विजबिल पुलिसिंग एवं अनुशासन को लेकर एसपी अंकिता शर्मा ने महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। एसपी ने बैठक में केस स्टडी के माध्यम से थाना प्रभारियों एवं फील्ड ऑफिसर्स को जागरूक किया। कानून व्यवस्था के पूर्वानुमान, त्वरित रिस्पांस एवं प्रभारी पुलिसिंग पर विस्तृत समझाईश दी।

मिली जानकारी के अनुसार एसपी अंकिता शर्मा ने मैराथन बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त एवं स्पष्ट निर्देश दिए। आगामी पर्व-त्यौहार, पंचायत चुनाव एवं अन्य संवेदनशील अवसरों को शांतिपूर्ण, सौहार्द्रपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से एसपी ने जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों की महत्वपूर्ण कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली। बैठक में एएसपी कीर्तन राठौर, एसडीओपी डोंगरगढ़, एसडीओपी डोंगरगांव, डीएसपी हेडक्वार्टर, डीएसपी ऑपरेशंस सहित जिले के सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पूर्व में घटित संवेदनशील प्रकृति की घटनाओं को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत कर फील्ड ऑफिसर्स एवं थाना प्रभारियों को कानून व्यवस्था संबंधी परिस्थितियों के पूर्वानुमान, त्वरित निर्णय क्षमता एवं प्रभावी पुलिस रिस्पांस के संबंध में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया।

आगामी पंचायत चुनाव, कानून व्यवस्था संबंधी घटनाओं, संवेदनशील क्षेत्रों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, सोशल मीडिया गतिविधियों एवं संभावित चुनौतियों की गहन समीक्षा कर विस्तृत सुरक्षा रणनीति तैयार की गई।

जिले में गठित 'लॉ एंड ऑर्डर क्विक रिस्पांस टीम' की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते एसपी ने बताया कि उक्त टीम का गठन लगभग एक माह पूर्व किया गया था, जो पुलिस लाइन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सदैव रेडी स्थिति में तैनात रहती है।

किसी भी कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने पर टीम द्वारा शहर क्षेत्र में लगभग 10-15 मिनट के भीतर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। बेहतर रिस्पांस टाइम एवं तत्परता हेतु रिजर्व इंस्पेक्टर की सराहना की गई।

महापौर व आयुक्त का कर्मचारी महासंघ ने किया सम्मान

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ भिलाई-चरोदा ईकाई द्वारा कर्मचारियों जीपीएफ, सीपीएफ एवं उपादान की लगभग 1 करोड़ 90 लाख की राशि अपने खातों में आने पर मंगलवार को निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में निगम महापौर निर्मल कोसरे, निगम आयुक्त दशरथ सिंह राजपूत और राजस्व प्रभारी मोहन साहू का माला पहनाकर श्रीफल, शॉल और मोमेंटो देकर सम्मानित कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। नगर निगम आयुक्त डीएस राजपूत ने कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा किए जा रहे प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यह जो राशि आपको मिला है उसमें हमारे कलेक्टर सर के संवेदनशीलता के कारण संभव हो पाया है उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। महापौर ने कहा कि मैंने जब महापौर का पद संभाला था तब निगम दो करोड़ रुपए के कर्जे में था लेकिन आज निगम 15 करोड़ रुपए एफडी करने की स्थिति में है।

उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि वे मिलने वाली राशि का उपयोग हमेशा अच्छे काम में करें ये मेहनत का पैसा है, इस बात का ध्यान रहे कि इसका हमेशा सदुपयोग करें, अपने बच्चों के सुनहरे भविष्य में इसका उपयोग करें। महापौर ने कहा कि उपादान के राशि, अवकाश नगदीकारण की राशि और चिकित्सा राशि भी आपको देना है वो भी जल्द आपके खातों में जमा होगा। राजस्व प्रभारी मोहन साहू ने बताया कि निगम कर्मचारियों की बहुत लंबे समय से जीपीएफ की राशि जमा नहीं हो पाई थी, कर्मचारी संघ द्वारा कई बार इस विषय पर चर्चा की गई थी, जिसके लिए हम लोग प्रयासरत थे।

साईराम व्हील्स ठगी मामले में अपराधियों की गिरफ्तारी पर भिलाई चेम्बर ने दिया पुलिस प्रशासन को धन्यवाद

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

हाल ही में साईराम व्हील्स में हुई ठगी के मामले में पुलिस प्रशासन द्वारा कुछ अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई पर भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ की टीम ने पुलिस अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि इस प्रकार की ठगी की घटनाएं व्यापार जगत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। अपराधियों की गिरफ्तारी से व्यापारियों में विश्वास और सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। चेम्बर ने विशेष रूप से एसपी और अतिरिक्त एसपी को धन्यवाद दिया, जिन्होंने तत्परता और गंभीरता से इस मामले में कार्रवाई की। श्री भसीन ने कहा कि पुलिस प्रशासन का सहयोग सराहनीय है और भविष्य में भी इसी प्रकार का समन्वय जारी रहेगा।

भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा ने कहा कि चेम्बर और पुलिस प्रशासन के बीच तालमेल से व्यापारियों की समस्याओं का समाधान और भी प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। इस अवसर पर चेम्बर की टीम के सदस्य सुनील मिश्रा और मनोहर कृष्णानी ,नरेश गुप्ता , चिन्ना राव,रितेश अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करें : 9806044444

राजस्थान ने गुजरात को 215 रन का टारगेट दिया

सूर्यवंशी ने 96 रन बनाए, जडेजा के नाबाद 45 रन, रबाडा-होल्डर को 2-2 विकेट

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटंस को 215 रन का टारगेट दिया है। राजस्थान ने मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। वैभव सूर्यवंशी के 97 रन की बदौलत राजस्थान ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 214 रन बनाए। सूर्यवंशी ने 204.26 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और पारी में 8 चौके और 7 सिक्स भी लगाए। उनके अलावा रवींद्र जडेजा ने नाबाद 45 रन की पारी खेली। वहीं, डोनोवन फरेरा ने 11 बॉल पर नाबाद 38 रन बनाए। 18वें ओवर में रबाडा की बॉल पर सूर्यवंशी शॉर्ट और ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर अपर कट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सही तरीके से टाइम नहीं हुई और थर्ड मैन की दिशा में हवा में चली गई। वहां प्रसिद्ध कृष्णा ने कैच पकड़ लिया। सूर्यवंशी 47 गेंदों में 96 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। सूर्यवंशी आईपीएल इतिहास में सबसे तेज 1,000 रन बनाने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम केवल 440 गेंदों का सामना करते हुए हासिल किया था, जिससे उन्होंने आंद्रे रसेल (545 गेंदें) का रिकॉर्ड तोड़ा। 13वें ओवर में सूर्यवंशी ने सिंगल लेकर इस सीजन का

अपना छठा 50+ स्कोर पूरा किया। प्रसिध्द की शॉर्ट गेंद को सूर्यवंशी ने मिडविकेट की दिशा में खेलकर एक रन लिया और शानदार अर्धशतक तक पहुंचे। 12वें ओवर की चौथी बॉल पर प्रसिद्ध कृष्णा ने राजस्थान को पांचवां झटका दिया। 146 किमी/घंटा की रफ्तार से फेंकी गई फुल गेंद पर आर्चर बड़ा ड्राइव लगाने गए, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर बटलर के हाथों में चली गई। आर्चर 4 गेंदों में 7 रन बनाकर आउट हुए। 12वें ओवर में होल्डर ने मिडिल ओवरों में अपना असर जारी रखते हुए शनाका को पवेलियन भेज दिया। बैक ऑफ लेंथ गेंद पर शानाका पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद ग्लव्स से लगकर विकेटकीपर बटलर के हाथों में चली गई। शनाका 9 गेंदों में सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। 10वें ओवर में होल्डर ने राजस्थान को तीसरा झटका देते हुए रियान पराग को आउट कर दिया। फुल गेंद पर पराग ने फ्लिक शॉट खेला, लेकिन गेंद बड़ी बाउंड्री पार नहीं कर सकी। डीप मिडविकेट पर मौजूद रबाडा ने आसान कैच पकड़ लिया। पराग 6 गेंदों में 11 रन बनाकर लौटे। 11वें ओवर की दूसरी बॉल पर सूर्यवंशी को जीवनदान मिला। प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद पर सूर्यवंशी पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले का टॉप-एज लेकर हवा में चली गई। डीप स्क्वायर लेग से दौड़ते हुए साई सुदर्शन कैच तक पहुंचे, लेकिन स्लाइड करते समय गेंद उनके हाथों से निकल गई और गुजरात ने अहम मौका गंवा दिया। 10वें ओवर में होल्डर ने राजस्थान को झटका देते हुए रियान पराग को आउट कर दिया। फुल गेंद पर पराग ने फ्लिक शॉट खेला, लेकिन गेंद डीप मिडविकेट बाउंड्री पार नहीं कर सकी। वहां खड़े कगिसो रबाडा ने आसान कैच पकड़ लिया। पराग 6 गेंदों में 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 9वें ओवर में पराग और सूर्यवंशी ने राशिद खान के ओवर में 18 रन बटोरे। ओवर की शुरुआत चौके से हुई, फिर पराग ने लॉन्ग हॉप गेंद पर शानदार छक्का जड़ दिया। इसके बाद सूर्यवंशी ने भी खराब गेंद का पूरा फायदा उठाते हुए डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर दमदार सिक्स लगाया। राशिद के इस ओवर से कुल 18 रन आए और 9 ओवर के बाद राजस्थान का स्कोर 2 विकेट पर 100 रन पहुंच गया। 8वें ओवर में जडेजा को अचानक परेशानी महसूस हुई और मेडिकल जांच के बाद वे रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। उनके बाहर जाने के बाद रियान पराग बल्लेबाजी के लिए आए। । राजस्थान को पहले ही ओवर में पहला झटका लगा, जब सिराज ने यशस्वी को आउट कर दिया। इसके बाद रबाडा ने ध्रुव जुरेल का विकेट लेकर दबाव बढ़ाया।

सिंगापुर ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारीं पीवी सिंधु, आन से यंग ने फिर रोका रास्ता

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सफर शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने सिंधु को सीधे गेमों में 21-17, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने मुकाबले में कुछ मौकों पर आक्रामक खेल दिखाते हुए आन से यंग पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी के बेहतरीन नियंत्रण, तेज मूवमेंट और अहम अंकों पर शानदार प्रदर्शन ने मुकाबला एकतरफा बना दिया। इस हार के साथ ही सिंधु का आन से यंग के खिलाफ लगातार हार का सिलसिला नौ मैचों तक पहुंच गया। इन मुकाबलों में सिंधु केवल एक बार ही आन से यंग के खिलाफ एक गेम जीतने में सफल रही हैं, जो 2023 बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में आया था। मुकाबले की शुरुआत से ही सिंधु आक्रामक नजर आईं। उन्होंने

स्मैश और तेज रिटर्न के जरिए रैलियों पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की, लेकिन पहले गेम के मध्यांतर तक वह 7-11 से पीछे थीं। इसके बाद सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 13-14 तक पहुंचाया। हालांकि नेट पर आन से यंग की पकड़ और दबाव झेलने की क्षमता ने उन्हें फिर बढ़त दिला दी। सिंधु ने 17-19 तक संघर्ष जारी रखा, लेकिन कुछ गलत शॉट्स ने उन्हें नुकसान पहुंचाया और आन से यंग ने पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु की शुरुआत बेहद खराब रही और आन से यंग ने 6-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने वापसी करते हुए अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार सटीक शॉट्स और बेहतरीन कोर्ट कवरेज के दम पर मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। सिंधु ने एक समय स्कोर 12-14 तक पहुंचाकर मुकाबले में वापसी के संकेत दिए, लेकिन अहम मौकों पर हुई गलतियों का फायदा आन से यंग ने उठाया। इसके बाद सिंधु 13-18 से पिछड़ गईं और वापसी नहीं कर सकीं। 48 मिनट तक चले इस मुकाबले में आन से यंग ने अपने दूसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

जेमिमा रोड्रिगेज का खुलासा...
वर्ल्ड कप मैच की प्लेइंग इलेवन से बाहर होने के बाद अंदर से टूट गई थीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने 'विमेंस वर्ल्ड कप 2025' के दौरान अपने मन में चल रही भावनात्मक उथल-पुथल का खुलासा किया है। जेमिमा ने बताया कि घरेलू टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव और एक अहम मैच के लिए प्लेइंग इलेवन से बाहर किए जाने से वह अंदर से पूरी तरह टूट गई थीं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले इंग्लैंड के खिलाफ 3 मुकाबलों की टी20 सीरीज खेल रही है, जिसके पहले ही मुकाबले में 69 रन की पारी खेलने वालीं जेमिमा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। 'जियोस्टार' के शो 'अनस्टॉपेबल' पर जेमिमा ने उस मुश्किल दौर को याद किया जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही उन्होंने झेला था, जब उम्मीदें और दबाव उन पर मानसिक रूप से हावी होने लगे थे। जेमिमा ने कहा, 'किसी वजह से, वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही, मैं मानसिक रूप से ठीक महसूस नहीं कर रही थी। शायद इसकी वजह यह थी कि यह एक घरेलू वर्ल्ड कप था और इसके साथ उम्मीदें भी थीं। यह एक विश्व कप था, इसलिए दबाव दोगुना हो जाता है।' उन्होंने कहा, 'मैं पहले ही मैच की पहली गेंद पर बिना कोई रन बनाए आउट हो गई। इसने मुझे सचमुच तोड़ दिया। सबसे खराब बात यह थी कि इसका असर मेरी फील्डिंग पर भी पड़ने लगा था। मैं ऐसी खिलाड़ी हूं, जिसे फील्डिंग करना पसंद है, लेकिन मैं खुद पर इतना ज्यादा दबाव डाल रही थी कि मैं वैसे मूव नहीं कर पा रही थी जैसा आमतौर पर करती हूं। मैंने कुछ खराब फील्डिंग की, जो मैं आमतौर पर नहीं करती।' जेमिमा ने बताया कि लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक तेज पारी ने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले बेहद अहम मुकाबले से पहले कुछ आत्मविश्वास वापस पाने में मदद की थी। उन्होंने कहा, 'फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लीग मैच आया, जिसमें मैंने अच्छे स्ट्राइक रेट से 33 रन की एक असरदार पारी खेली। इससे मुझे कुछ आत्मविश्वास मिला। मैंने खुद से कहा, 'ठीक है। इंग्लैंड के खिलाफ मैच बहुत अहम है। इंग्लैंड को हराने के लिए जो कुछ भी करना पड़े, चलो करते हैं।' मैं सचमुच टीम के लिए ऐसा करना चाहती थी, क्योंकि वर्ल्ड कप दांव पर लगा था। हम पहले ही लगातार दो मैच हार चुके थे। वह मैच बहुत अहम था।' हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ मैच की सुबह, जेमिमा को एक ऐसी खबर मिली जिसने उन्हें पूरी तरह से तोड़ दिया।

आईपीएल में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत ने छोड़ी लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी

नई दिल्ली। ऋषभ पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी छोड़ दी है। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने बयान में कहा, 'ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी से अपनी कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने का अनुरोध किया था, जिसे फ्रेंचाइजी ने तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।' पंत को आईपीएल 2025 की नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने दो सत्रों तक टीम की कप्तानी की। इस दौरान उन्होंने दोनों सीजन मिलाकर 581 रन बनाए। पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने दो सीजन में कुल 28 मुकाबलों में से 10 मैच जीते। लखनऊ सुपर जायंट्स के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा, 'ऐसे फैसले कभी आसान नहीं होते। कप्तान के रूप में ऋषभ ने ड्रेसिंग रूम के लिए जो योगदान दिया, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। अब हमारा ध्यान

सामूहिक रूप से टीम के पुनर्निर्माण और पुनर्गठन पर है, ताकि हम सर्वोत्तम स्तर तक पहुंच सकें। 'आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स का निराशाजनक प्रदर्शनआईपीएल 2026 का सीजन लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए बेहद निराशाजनक रहा। टीम पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष करती नजर आई और अंक तालिका में सबसे आखिरी यानी 10वें स्थान पर रही। लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस सीजन 14 लीग मुकाबले खेले, जिनमें टीम को केवल 4 मैचों में जीत मिली, जबकि 10 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। टीम का नेट रन रेट भी काफी खराब रहा और एलएसजी ने -0.740 के नेट रन रेट के साथ अपना अभियान समाप्त किया। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली शुरुआती टीमों में भी लखनऊ सुपर जायंट्स शामिल रही। घरेलू मैदान इकाना स्टेडियम में भी टीम अपने प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी और लगातार खराब प्रदर्शन ने निराश किया। कप्तान ऋषभ पंत का प्रदर्शन भी उम्मीदों के अनुरूप नहीं आईपीएल 2025 की नीलामी में 27 करोड़ रुपये में खरीदे गए पंत बल्ले से प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। उन्होंने 14 मैचों की 13 पारियों में केवल 312 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 138.05 रहा, जो उनके टी20 स्तर और आक्रामक बल्लेबाजी शैली के मुकाबले काफी साधारण माना जा रहा है। टीम की खराब कप्तानी, बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी और गेंदबाजी इकाई के कमजोर प्रदर्शन को एलएसजी के खराब अभियान का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना की टीम का ऐलान...पिछला खिताब जीतने वाली टीम के 17 प्लेयर्स को जगह, मेसी कप्तानी करेंगे

ब्यूनस आयर्स।

फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए अर्जेंटीना की 26 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गई। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने गुरुवार को स्क्वॉड का ऐलान किया। 39 साल के होने जा रहे लियोनेल मेसी टीम की कप्तानी करेंगे। यह उनका छठा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वे 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। कोच लियोनेल स्कालोनी ने खिलाड़ियों की इंजरी पर कहा- 'ज्यादातर खिलाड़ी टूर्नामेंट तक फिट हो जाएंगे।' स्क्वॉड में 17 खिलाड़ी 2022 कतर वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के हैं। अर्जेंटीना ने फाइनल में फ्रांस को हराकर तीसरी बार विश्व खिताब जीता था। टीम चयन से पहले कई खिलाड़ियों की फिटनेस चिंता का विषय थी।

मेसी बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से जूझ रहे हैं। इसी कारण वे इंटर मियामी का पिछला मैच पूरा नहीं खेल पाए थे। गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज की उंगली में फ्रैक्चर हुआ था। क्रिस्टियन रोमेरो, नहुएल मोलिना और गोंजालो मोंटियल भी चोट से उबर रहे हैं, लेकिन उन्हें स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

अर्जेंटीना 16 जून को ग्रुप-जे में अल्जीरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रिया और जॉर्डन भी हैं। टीम आज कंसास सिटी स्थित बेस कैंप के लिए रवाना होगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम की पर्थ में लगातार दूसरी जीत, मैत्री श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराया

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शुक्रवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मैत्री श्रृंखला के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने चार मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बना ली है। भारतीय टीम ने पहले मुकाबले में मिली हार के बाद दूसरे मैच में 4-2 से शूटआउट जीत हासिल की थी और अब तीसरा मुकाबला भी अपने नाम कर लिया। दोनों टीमों के बीच खेले गए तीसरे मैच में शुरुआत से ही मजबूत रक्षात्मक खेल देखने को मिला। पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल नहीं होने दिया और हाफ टाइम तक मुकाबला 0-0 से बराबरी पर रहा। तीसरे क्वार्टर में भारत को सफलता मिली, जब सोनम ने 36वें मिनट में फील्ड गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में भी अपना दबदबा बनाए रखा और 49वें मिनट में लालरेमसियामी ने एक और फील्ड गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके साथ ही भारत ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। श्रृंखला का चौथा और अंतिम मुकाबला शनिवार, 30 मई को भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे इसी मैदान पर खेला जाएगा।

रेलवे समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर कर्मचारी ट्रेनिंग स्कूल/परिचालन/बीएमवाई में संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, यांत्रिक तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों के साथ कर्मचारी ट्रेनिंग स्कूल/परिचालन/बीएमवाई में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई- स्पैड से बचाव एवं ऑटोमेटिक सिग्नल ऑन अवस्था में पार करने का प्राधिकार तथा क्रु के द्वारा बरती जानेवाली सावधानियां, शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां। स्टेशन/यार्ड में ट्रेन का सिक्योरिंग एवं क्लियरिंग करना। ट्रेन/इंजन में आग लगने पर चालक/परिचालक एवं स्टेशन कर्मचारी द्वारा ली जानेवाली सावधानियां, गुड्स शेड एवं साइडिंग से लोड क्लियर के दौरान हॉट एक्सेल, ब्रेक बाइंडिंग, डोर हीटिंग, असामान्य लोड एवं तारपोलिन को लटकने से बचाव के लिए क्रु, ट्रेन मैनेजर एवं स्टेशन कर्मचारी के द्वारा की जानेवाली जांच, पॉइंट्स एवं सिग्नल की विफलता के दौरान परिचालन एवं सिग्नल कर्मचारियों के द्वारा बरती जनेवाली सावधानियां, प्राथमिक उपचार पेटी का उपयोग एवं प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन । इस संरक्षा सेमिनार में श्री सुरेश चन्द्र, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर के साथ-साथ संरक्षा सलाहकारो ने संरक्षा सेमिनार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 68 लोगों ने भाग लिया।

रेल परिवार से रायपुर मंडल के 12 सदस्य दिनांक 31/05/2026 को सेवानिवृत्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 12 सदस्य अप्रैल 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सामान्य सेवानिवृत हुए। इस समारोह में मंडल रेल प्रबंधक (श्री दयानंद), वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (श्री राहुल गर्ग), सहायक कार्मिक अधिकारी (श्री महेंद्र कुमार शर्मा), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 12 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 02, इंजीनियरिंग विभाग से 03, परिचालन विभाग से 02, वाणिज्य विभाग से 02, लेखा विभाग 01 एवं विद्युत विभाग से 02 कर्मचारी शामिल है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मलेन कक्ष में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 4,60,29,765/- का भुगतान किया गया । पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड दिनांक 29/05/2026 को प्रदान किया गया। मंडल रेल प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्यो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी को सेवानिवृति के पश्चात् सुखद भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनायें दी।

भिलाई में वाटरटेक का डीलर्स मीट संपन्न...

नए सीपी फिटिंग्स और सेनेटरीवेयर पोर्टफोलियो बाजार में

भिलाई। भारत के बाथवेयर और प्लंबिंग सॉल्यूशंस इंडस्ट्री में पिछले 27 सालों से भरोसे का दूसरा नाम रही, वाटरटेक इंडिया ने भिलाई में डीलर्स मीट का आयोजन किया। जहां कंपनी ने अपने सीपी फिटिंग्स और सेनेटरीवेयर डिवीजन् की एक नई और रणनीतिक शुरुआत की घोषणा की। यह कदम कंपनी के लिए एक बड़ा विस्तार है। इसके तहत, आधुनिक भारतीय घरों की बदलती जरूरतों और उम्मीदों को पूरा करने के लिए एक तकनीक-आधारित और डिजाइन-फोकस्ड प्रोडक्ट पोर्टफोलियो पेश किया गया है। यह लॉन्च वाटरटेक के लिए खुद को पूरी तरह से री-इन्वेंट करने जैसा है। इसमें 500 से ज्यादा नए और अपग्रेडेड प्रोडक्ट्स शामिल हैं। इस रेंज को एक नई डिजाइन फिलॉसफी के साथ तैयार किया गया है, जिसमें बेहतरीन एस्थेटिक्स (लुक), पानी की बचत करने वाली परफॉर्मेंस और सटीक इंजीनियरिंग पर खास जोर दिया गया है ताकि कंपनी के ब्रांड वादे 'द परफेक्ट फ्लो. फॉर लाइफ' को सही मायनों में साकार किया जा सके। इस नए पोर्टफोलियो के साथ, वाटरटेक ने खुद को एक कम्प्लीट बाथरूम सॉल्यूशंस ब्रांड के तौर पर स्थापित किया है। कंपनी अब एक ऐसी प्रोडक्ट रेंज दे रही है जो आपस में जुड़ी हुई है, यानी डिजाइन में एकरूपता है और यूजऱ को एक प्रीमियम अनुभव देती है। इस नए पोर्टफोलियो में सीपी फॉसेट्स को देखा जा सकता है जो 10 अलग-अलग फॉसेट कलेक्शन रेंज, जिन्हें हर तरह की पसंद के लिए डिजाइन किया गया है चाहे वह मिनिमलिस्ट मॉडर्न हो या टाइमलेस क्लासिक। इनमें एर्गोनॉमिक डिजाइन और पानी के बहाव पर खास ध्यान दिया गया है। सेनेटरीवेयर श्रंखला में डब्ल्यूसी (वॉटर क्लोसेट), बेसिन (टेबलटॉप, वॉल हंग और काउंटरटॉप मॉडल), मैचिंग सेनेटरीवेयर सेट्स और सीट कवर्स की एक विस्तृत रेंज शामिल है। आई-सेंस के अंतरगत स्मार्ट सेंसर वाले टचलेस फॉसेट्स, सिंगल सुइट्स और यूरिनल्स उपलब्ध होगा एवं एडवांस्ड वॉटर डिलीवरी

सिस्टम्स में अत्याधुनिक शॉवर्स और शॉवर सिस्टम्स, साथ ही हाई-परफॉर्मेंस वाले कंसील्ड सिस्टर्न्स, जो पानी की बचत करते हैं और इंस्टॉलेशन में बेहद आसान हैं और फंक्शनल और एक्सेसरी सुइट्स के अंतरगत किचन सिंक, वैनिटी कैबिनेट्स, प्रीमियम बाथरूम एक्सेसरीज और जरूरी हेल्थ फॉसेट्स ये सब सेट्स में उपलब्ध हैं ताकि पूरे बाथरूम का लुक एक जैसा रहे। इतने बड़े पैमाने और मजबूत इंजीनियरिंग के साथ, वाटरटेक ने प्रीमियम-मास सेगमेंट में लीडर बनने के अपने इरादे साफ कर दिए हैं। इस कैटेगरी में सबसे व्यापक पोर्टफोलियो में से एक के साथ, कंपनी अब बाजार के हर वर्ग की सेवा करने के लिए तैयार है चाहे वह आम ग्राहक हों या आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स, ट्रेड पार्टनर्स, प्लंबिंग कॉन्ट्रैक्टर्स और बड़े संस्थागत प्रोजेक्ट्स। शहरीकरण, प्रीमियमाइजेशन, साफ-सफाई के प्रति बढ़ती जागरूकता और होम-इम्प्रूवमेंट में बढ़ते निवेश के चलते सेनेटरीवेयर और सीपी फिटिंग्स सेगमेंट में जबरदस्त ग्रोथ देखी जा रही है। वाटरटेक का यह नया अवतार क्वालिटी, डिजाइन में एकरूपता और बड़े पैमाने पर परफॉर्मेंस के दम पर इस ग्रोथ को भुनाने के लिए तैयार है। वाटरटेक इंडिया के बिजनेस हेड (सीपी फिटिंग्स एवं सेनेटरीवेयर)मयंक शर्मा के अनुसार - यह पहली बार है जब वाटरटेक इतनी गहराई, विविधता और तकनीकी बारीकियों के साथ बाजार में उतर रहा है। फॉसेट्स से लेकर वैनिटी तक, और कंसील्ड सिस्टम्स से लेकर शॉवर्स तक—हर प्रोडक्ट को बेहतर वॉटर फ्लो, फिनिश की एकरूपता और लंबी अवधि के टिकाऊपन को ध्यान में रखकर इंजीनियर किया गया है। हमने मटीरियल्स के चयन पर नए सिरे से काम किया है, मोल्ड्स को अपग्रेड किया है, उत्पादों की रेंज का विस्तार किया है और हर स्तर पर क्वालिटी मानकों को मजबूत किया है। उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य साफ है उपभोक्ताओं, चैनल पार्टनर्स, आर्किटेक्ट्स और ट्रेड इन्फ्लुएंसर्स के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प बनना। इस पोर्टफोलियो के साथ, वाटरटेक सीपी और सेनेटरीवेयर के हाई-ग्रोथ सेगमेंट में एक दमदार भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह विस्तारित पोर्टफोलियो वाटरटेक के मौजूदा डीलर नेटवर्क के जरिए बाजार में उतारा जाएगा। कंपनी की योजना टियर-1, टियर-2 और संभावनाओं से भरे टियर-3 बाजारों में अपने डिस्ट्रीब्यूशन और मौजूदगी को और मजबूत करने की है। इसके साथ ही, लॉन्च को सफल बनाने के लिए टारगेटेड ट्रेड आउटरीच, इन्फ्लुएंसर एंगेजमेंट और प्लंबरों, कॉन्ट्रैक्टर्स व डिजाइन प्रोफेशनल्स के लिए कैटेगरी एजुकेशन (प्रशिक्षण) की पहल भी की जाएंगी।

मिंत्रा ई.ओ.आर.एस शुरू...6 मिलियन ट्रेंड-फर्स्ट फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल प्रोडक्ट मिलेंगे अब तक के सबसे आकर्षक मूल्य में

नई दिल्ली। मिंत्रा ने भारत के ई-लाईफस्टाईल ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आज अपनी एंड ऑफ रीजन सेल (ई.ओ.आर.एस) के 24वें एडिशन की घोषणा कीई.ओ.आर.एस के इस एडिशन में 6 मिलियन से अधिक स्टाईल मिलेंगे, जो भारत में फैशन और लाईफस्टाईल ईकोसिस्टम के विकास में मिंत्रा की महत्वपूर्ण भूमिका को मजबूत करेंगे। इसमें जहाँ उभरते हुए ब्रांड्स को विस्तार करने का अवसर मिलेगा, वहीं देश के करोड़ों ग्राहकों को आकर्षक मूल्य में ट्रेंड-फर्स्ट सेलेक्शन और सुविधा प्राप्त होगी। ई.ओ.आर.एस में उभरते हुए ब्रांड्स को बढ़ावा मिलता रहेगा इस बार ई.ओ.आर.एस में हिस्सा लेने वाले हजारों ब्रांड्स में ग्लोबल, डोमेस्टिक और होमग्रोन डी2सी ब्रांड शामिल हैं। साथ ही, 15,000 उभरते हुए ब्रांड, जिनमें ई.ओ.आर.एस में पहली बार हिस्सा ले रहे 5,000 ब्रांड शामिल हैं, मिंत्राप्लेटफॉर्म की टेक्नोलॉजी, क्रिएटर ईकोसिस्टम और पूरे देश में पहुँच की मदद से भारत के करोड़ों ग्राहकों तक पहुँचेंगे। ई.ओ.आर.एस उनके विकास में मुख्य भूमिका निभाता रहेगा और उभरते हुए ब्रांड्स को ज्यादा विजिबिलिटी, नए सेलेक्शनलॉन्च और कैटेगरी विस्तार के माध्यम से ज्यादा मांग आकर्षित करने में मदद करेगा। ये ब्रांड एपरेल, फुटवियर, एक्सेसरीजआदि में लगभग 13 लाख स्टाईल पेश करेंगे। इन ब्रांड्स को मिंत्रा की आधुनिक टेक्नोलॉजी द्वारा सर्च एवं शॉपिंग इनसाईट्समिलेंगी, जिससे वो ट्रेंड्स और डिमांड पैटर्न को समझ पाएंगे। उन्हें सिंप्लीफाईड परफॉर्मेंस डैशबोर्ड मिलेगा। साथ ही, एक समर्पित पार्टनर सपोर्ट टीम ब्रांड्स को मिंत्रा पर अपना ई-कॉमर्स व्यवसाय आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने उत्तर भारत में 10 मिलियन बिक्री का आंकड़ा पार किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज घोषणा की कि उसने उत्तर भारत में कुल 10 मिलियन टू-व्हीलर की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे देश के सबसे बड़े और सबसे अलग-अलग तरह के मोबिलिटी मार्केट में से एक में उसकी मजबूत मौजूदगी और मजबूत हुई है। FY26 में एचएमएसआई की कुल बिक्री में उत्तर भारत का हिस्सा लगभग 15%^ है, जो कंपनी के लिए एक अहम मार्केट के तौर पर इसकी अहमियत को दिखाता है। दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में फैला उत्तर क्षेत्र, एचएमएसआई की ग्रोथ जर्नी में अहम भूमिका निभा रहा है। FY26 में, एचएमएसआई ने इस क्षेत्र में 110सीसी सेगमेंट में बेचे गए हर चार स्कूटर में से लगभग तीन स्कूटर बेचे, जो रोजाना की मोबिलिटी में कंपनी की लीडरशिप को दिखाता है। कंपनी का इस क्षेत्र में 125सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में भी मजबूत मार्केट शेयर है, जिससे अहम कम्यूटर कैटेगरी में उसकी स्थिति और मजबूत हुई है। कस्टमर सैटिस्फैक्शन के अपने कमिटमेंट को मजबूत करते हुए, एचएमएसआई नॉर्थ रीजन में 1,000^ से ज़्यादा कस्टमर सर्विस टचपॉइंट्स के मजबूत नेटवर्क के जरिए भरोसेमंद सपोर्ट देता है।

अमेजन फैशन ने एआई के साथ स्टाइल की खोज को बनाया स्मार्ट 28 मई से 2 जून के बीच 'वार्डरोब रिफ्रेश सेल' का उठाएं लाभ

बेंगलुरु। अमेजन फैशन ने अपनी बहुप्रतीक्षित वार्डरोब रिफ्रेश सेल के 18वें संस्करण की घोषणा कर दी है। यह सेल 28 मई से 2 जून तक चलेगी और इसमें ग्राहकों को फैशन और लाइफस्टाइल से जुड़ी जरूरी चीजों पर आकर्षक बचत मिलेगी। ग्राहक कपड़ों, सौंदर्य, फुटवियर, घड़ियों, लगेज, हैंडबैग, एक्सेसरीज और अन्य श्रेणियों में 1500 से अधिक प्रमुख ब्रांडों के 4 लाख से अधिक स्टाइल में से अपनी पसंद चुन सकते हैं और 50-80% की छूट पा सकते हैं।

वार्डरोब रिफ्रेश सेल का यह संस्करण ट्रेंड कर रहे स्टाइल्स, रोजाना की जरूरी चीजें और प्रीमियम फैशन के चुनिंदा उत्पादों पर 50-80% छूट दे रहा है। ग्राहक यहाँ व्रोग्न, लिबास, गेर्बर,

क्रॉक्स, मेबेलिन, प्यूमा, अमेरिकन टूरिस्टर, पाल्मोनास और फिलिप्स जैसे प्रमुख ब्रांडों के उत्पाद खरीद सकते हैं। यह शॉपिंग इवेंट ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं को भी दर्शाता है, खासकर जनरेशन जेड के ग्राहकों के बीच, जो खोज-आधारित और प्रेरणा-केंद्रित खरीदारी की ओर अग्रसर हैं और लगातार ट्रेंडी स्टाइल को किफायती दामों पर तलाश रहे हैं। इस जुलाई में, अमेजन प्राइम डे अपने दसवें संस्करण के साथ भारत में वापस आ रहा है और प्राइम सदस्य शानदार डील्स, बड़ी बचत, रोमांचक नए लॉन्च और बहुत कुछ का लाभ उठा सकते हैं।

एआई संचालित खोज के साथ सहजता से नया स्टाइल अपनाएं : इन गर्मियों में फैशन की खोज को और भी आसान बनाने के लिए अमेजन फैशन ने एआई संचालित खोज टूल प्रस्तुत किए हैं, जो ग्राहकों को ट्रेंड्स को एक्सप्लोर करने, स्टाइल खोजने और आसानी से संपूर्ण लुक बनाने की सहूलत देते हैं। अमेजन के एआई शॉपिंग असिस्टेंट रूफस के साथ, ग्राहक आसानी से खास चयन और आसान बातचीत के जरिये फैशन श्रेणी में व्यक्तिगत सिफारिशें प्राप्त कर सकते हैं। बस कहिए '2000 रुपये से कम कीमत वाले गर्मियों के स्नीकर्स', या 'छुट्टियों के लिए तैयार को-ऑर्ड सेट्स', या फिर 'रोजाना पहनने के लिए उत्कृष्ट गहने'। रूफस कीमत इतिहास पर नजर रखने की काबलियत के साथ लगातार स्मार्ट और तेज बन रहा है। यह 30 से 90 दिन तक का कीमत इतिहास ट्रैकर उपलब्ध करवाता है, जिससे ग्राहक यह जान पाते हैं कि कीमत सबसे कम कब और कितनी थी और आसानी से खरीदारी के फैसले ले पाते हैं।

बस उन्हें उत्पाद विवरण पन्ने पर 'कीमत इतिहास' विकल्प पर क्लिक करना होता है। आप रूफस से यह भी कह सकते हो 'इन स्नीकर्स की कीमत 7000 रुपये से नीचे आने पर सूचना देने के लिए प्राइज अलर्ट सेट करें', 'इस ड्रेस की कीमत 50% कम होने पर खरीदें', या 'इस टी-शर्ट को 600 रुपये वा कम पर खरीदें'। रूफस नियमित रूप से कीमतें जांचेगा और जैसे ही कीमत आपकी लक्षित सीमा पर आएगी, आपको अलर्ट करेगा या आपकी डिफॉल्ट भुगतान विधि का उपयोग करके खरीदारी पूर्ण कर देगा।

आवाज आधारित खोज से आगे, अमेजन लेंस एआई ग्राहक अनुभव में विज़ुअल परत जोड़ता है

ग्राहक किसी आउटफिट या फैशनेबल वस्तु की फोटो अपलोड कर सकते हैं और जल्दी से उन्हें अमेजन पर उपलब्ध समान उत्पाद दिख जाएंगे। इसी तरह 'वियर इट विद' फीचर ग्राहकों को प्रमुख ब्रांडों के सिर से लेकर पांव तक मेल खाते कपड़े, फुटवियर, घड़ियां और सौंदर्य उत्पाद दिखा देता है, ताकि वे अपन वार्डरोब को पूरी तरह रिफ्रेश कर सकें।

इंडिगो को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 2,536.9 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च (चौथी तिमाही) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में इंडिगो को 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एयरलाइन को 3,067.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी के शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों, रुपये की विनिमय दर में तेज गिरावट और अन्य कारणों से 2,536.9 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। इंडिगो ने बताया कि जनवरी-मार्च तिमाही में उसकी कुल आय तीन फीसदी से अधिक बढ़कर 23,830.7 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 23,097.5 करोड़ रुपये थी। एयरलाइन ने कहा कि रुपये में तेज गिरावट, श्रम कानूनों में बदलाव और चुनौतीपूर्ण परिचालन माहौल के कारण परिचालन लाभ पर असर पड़ा, जिससे कंपनी को जनवरी-मार्च

तिमाही में घाटा हुआ। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 कंपनी के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों वाला वर्ष रहा, जिससे उसकी लाभप्रदता पर बड़ा असर पड़ा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान हमारी क्षमता 9.5 फीसदी बढ़ी, जिससे कंपनी की कुल आय में छह फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। भाटिया ने कहा कि विदेशी मुद्रा उतार-चढ़ाव और असाधारण मदों के प्रभाव को छोड़ दें, तो इंडिगो ने 75 अरब रुपये का लाभ कमाया है।

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट 7.51 अरब डॉलर घटा...

मुंबई। पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त हफ्ते में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रह गया। पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 8.09 अरब डॉलर घटकर 688.89 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 22 मई को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, 2.87 अरब डॉलर घटकर 543.03 अरब डॉलर रह गईं। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 4.53 अरब डॉलर घटकर 114.79 अरब डॉलर रह गया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने एमजी मैजिस्टर लॉन्च की

गुरुग्राम। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज एमजी मैजिस्टर लॉन्च की जो भारत की पहली डी प्लस एसयूवी है। भारत की पहली D+SUV के रूप में पेश की गई MAJESTOR उन ग्राहकों के लिए तैयार की गई है, जो अपनी अगली SUV में दमदार रोड प्रेजेंस, एडवांस्ड इंजीनियरिंग और बेहतरीन ऑल-टेरेन क्षमता चाहते हैं। एमजी मैजिस्टर 4×2 ऑटोमैटिक टॉप ट्रिम की कीमत 40.99 (एक्स-शोरूम कीमत) लाख रखी गई है। (6 और 7-सीटर) एमजी मैजिस्टर 4×4 ऑटोमैटिक टॉप ट्रिम की कीमत 44.99 (एक्स-शोरूम कीमत) लाख रखी गई है। (केवल 7-सीटर) लॉन्च के अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए अनुराग मेहरोत्रा, एमडी, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, 'एमजी मेजस्टर हमारे पोर्टफोलियो में एक दमदार एसयूवी है। यह भारत की पहली डी प्लस एसयूवी है, जो ताकत, आराम, आधुनिक तकनीक और भरोसेमंदी का बेहतरीन मिश्रण देती है। अपने सबसे बड़े आकार, ऑफ-रोड दमखम और कई सेगमेंट-पहली सुविधाओं के साथ मैजिस्टर नए मानदंड स्थापित करती है।

सेंसेक्स 1092 अंक गिरकर 74,775 पर बंद हुआ...121 पॉइंट चढ़कर खुला था, आखिरी आधे घंटे में 950 अंक गिरा, निफ्टी 359 अंक टूटा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और मुनाफा वसूली के दबाव की वजह से शुक्रवार को दिन स्टॉक मार्केट के लिए ब्लैक फ्राइडे बन गया। चौतरफा बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजार ने जोरदार गिरावट के साथ शुक्रवार को कारोबार का अंत किया। शुक्रवार को कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी भी आई, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद से बाजार में बिकवाली का दबाव बढ़ता चला गया। शाम तीन बजे के करीब शुरू हुई चौतरफा मुनाफा वसूली की वजह से दोनों सूचकांकों की चाल में जोरदार गिरावट आ गई। सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 1,630 अंक गिर गया। इसी तरह निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 518 अंक तक की गिरावट का शिकार हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.44 प्रतिशत और निफ्टी 1.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। शुक्रवार को दिन भर के कारोबार के दौरान ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। शुक्रवार को कारोबार में पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली हुई। इसी तरह हेल्थकेयर, एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर,

आईटी सेक्टर में हुई खरीदारी के कारण निफ्टी का आईटी इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी शुक्रवार को लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को कारोबार का अंत किया। शुक्रवार को शेयर बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पांच लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद घट कर 464.98 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार को कारोबार से करीब 5.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। शुक्रवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,463 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,670 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,599 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 194 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में शुक्रवार को 3,006 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 925 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,081 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से चार शेयर बढ़त के साथ और 26 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से पांच शेयर हरे निशान में और 45 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 120.71 अंक की मजबूती के साथ 75,988.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही यह सूचकांक 352.22 अंक उछल कर 76,220.02 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स नीचे फिसलने लगा। लगातार हो रही बिकवाली के कारण यह सूचकांक शुक्रवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले दिन के ऊपरी स्तर से 1,630.91 अंक टूट कर 1,278.69 अंक की गिरावट के साथ 74,589.11 अंक के स्तर पर पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 186.63 अंक की रिकवरी कर 1,092.06 अंक की कमजोरी के साथ 74,775.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी में शुक्रवार को पांच अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,902.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू होने आने के कारण थोड़ी देर में ही यह सूचकांक 95.65 अंक की उछाल के साथ 24,002.80 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिक्री शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शुक्रवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 518.05 अंक लुढ़क कर 422.40 अंक की कमजोरी के साथ 23,484.75 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी निचले स्तर से 63 अंक सुधर कर 359.40 अंक की गिरावट के साथ 23,547.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्टॉक मार्केट में ऑटोफर्निश की प्रीमियम एंट्री, शुरुआती गिरावट के बाद कंपनी के शेयर पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए एसेसरीज बनाने वाली कंपनी ऑटोफर्निश के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि पूरे दिन इस शेयर की चाल में उतार चढ़ाव होता रहा, जिसकी वजह से निवेशकों के दिल की धड़कन भी बढ़ी रही। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 41 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। शुक्रवार को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग पांच प्रतिशत प्रीमियम के साथ 43 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 40.85 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि बाद खरीदारों ने लिवाली कर पहले लोअर सर्किट को ब्रेक किया और फिर मजबूती दिखाते हुए 45.15 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर ले गए। अंत में ये शेयर इसी स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में एक बार लोअर सर्किट का झटका लगने के बावजूद अंततः कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.12 प्रतिशत का फायदा हो गया। ऑटोफर्निश का 14.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 25 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.21 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.17 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन भी 1.17 गुना ही सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 35.61 लाख नए शेयर जारी किए गए थे। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का

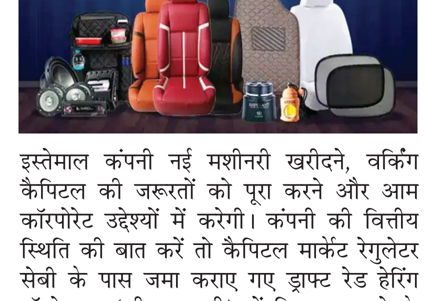

इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 16 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 1.63 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 3.50 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 2.83 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 10.60 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 15.92 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 33.88 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 28.32 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई।

छत्तीसगढ़ की ईंधन आपूर्ति श्रृंखला अडिग

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने छत्तीसगढ़ में सुचारू परिचालन और मजबूत लॉजिस्टिक्स तालमेल को सफ्लतापूर्वक बनाए रखा है, जिसके परिणामस्वरूप एक महत्वपूर्ण ऊर्जा मील का पत्थर हासिल करते हुए पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में मई 2026 के दौरान राज्य में पेट्रोल की खुदरा बिक्री में 8व्न और डीजल की खुदरा बिक्री में 15प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। इस उल्लेखनीय प्रगति और राज्य भर में आम जनजीवन की सुचारू दिनचर्या के पीछे सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की चौबीसों घंटे की असाधारण तैयारी है। यह व्यवस्था छत्तीसगढ़ के प्रत्येक उपभोक्ता के लिए मोटर स्पिरिट (पेट्रोल), हाई–स्पीड डीजल और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की दैनिक उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए पूर्ण ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति की निरंतरता की गारंटी देती है। राज्य भर में डीजल की खपत में 15प्रतिशत की यह भारी बढ़ोतरी और पेट्रोल में 8प्रतिशत की वृद्धि मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्रों में सीजन की चरम कृषि गतिविधियों के कारण हुई है। इसके साथ ही, क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अलावा अन्य वैकल्पिक निजी ईंधन आपूर्तिकर्ताओं और पीएसयू डीलरों के बीच कीमतों में अंतर होने की वजह से संस्थागत और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं का रुझान सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेल आउटलेट्स (पेट्रोल पंपों) की तरफ तेजी से बढ़ा है, जिससे मांग में यह तीव्र उछाल आया है।

वैश्विक ऊर्जा बाजारों की अनिश्चितताओं के इस दौर में, भारत का सार्वजनिक क्षेत्र का तेल नेटवर्क एक मजबूत स्तंभ बना हुआ है, जो छत्तीसगढ़ के शहरी राजमार्गों से लेकर सबसे कठिन इलाकों और ग्रामीण कृषि क्षेत्रों तक लगातार ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा है। तेल विपणन कंपनियों ने आधिकारिक तौर पर जनता को आश्वस्त किया है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त बफर स्टॉक सुरक्षित रूप से वितरित किया गया है और देश के आपूर्ति ग्रिड में उपलब्ध है।

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता साकरा राणा रबारी उम्र 39 वर्ष पति श्री राणा रबारी माता– श्रीमति रबारी सेजु बेन साकरा भाई निवासी–ग्राम– पडानावास, मोडवादार कच्छ, मोडवादार (गुजरात) जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ कि:–

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2. यह कि मेरे पुत्री–सीता साकरा रबारी का जन्म दिनांक 01/04/2012 पंजीकरण संख्या बी–001012012008675 जारी दिनांक 10.04.2012 है। जिसके जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का नाम–सीता (SITA) पिता का नाम– साकरा राणा रबारी (SAKRA RANA RABARI) माता का नाम– श्रीमति रबारी सेजुबेन साकरा भाई (SMT. SEJUBEN SAKRA BHAI) लिखा व दर्ज है। जो कि त्रुटिपूर्ण गलत है।

3. यह कि उक्त जन्म पत्र में पुत्री का नाम– सीता साकरा रबारी (SITA SAKRA RABARI) पिता का नाम – साकरा राणा रबारी (SAKRA RANA RABARI) माता का नाम–श्रीमति रबारी सेजुबेन साकरा भाई (SMT. SEJUBEN SAKRA BHAI) लिखा व दर्ज कर/सुधार कर डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावें। जिस हेतु माता पिता का आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न प्रस्तुत है। तत् संबंध में यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ता उक्त शपथ पत्र के माध्यम से यह सत्यापित करता/करती हूं कि उपर की कंडिका 01 से 03 तक की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता
साकरा राणा रबारी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)

ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31548/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 29.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31548
वार्ड का नाम - 40- पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 40 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR569H00163 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती Harishchand Nayak पिता/पति श्री/श्रीमती Dhansay Nayak के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती DROPATI NAYAK पिता/पति श्री/श्रीमती HARISH CHANDRA NAYAK ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)

ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31486/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 29.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31486
वार्ड का नाम - 42- महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR561D00036 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ABHISHEK JHA, PRASHANT JHA, NILESH THAKUR पिता/पति श्री/श्रीमती ATUL KUMAR, PRAFULL KUMAR LT. D.K THAKUR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती VIJAY KUMAR PANMAL BANTHIA पिता/पति श्री/श्रीमती PANMAL BANTHIA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)

ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./31487/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2026
रायपुर, दिनांक 29.05.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 31487
वार्ड का नाम - 42- महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR561D00034 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती VIJAY KUMAR PANMAL BANTHIA पिता/पति श्री/श्रीमती PANMAL BANTHIA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती VIJAY KUMAR PANMAL BANTHIA पिता/पति श्री/श्रीमती PANMAL BANTHIA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

शिकायत मिलते ही हरकत में आया निगम, हांडी तालाब से हटाई गई जलकुंभी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर, 29 मई (एजेंसी)। हांडी तालाब में फैली गंदगी और जलकुंभी को लेकर जैसे ही लोगों की शिकायत नगर निगम तक पहुंची, वैसे ही सफाई अमला मैदान में उतर गया और कुछ ही घंटों में तालाब की तस्वीर बदलने का अभियान शुरू हो गया।ज्ञ् रायपुर के तात्यापारा स्थित हांडी तालाब में गंदगी और जलकुंभी फैलने की जनशिकायत मिलने पर नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 7 ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष सफाई अभियान चलाया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जोन 7 की अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा और जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव ने तत्काल निर्देश जारी किए। इसके बाद जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हुई और करीब 15 सफाई कर्मियों की विशेष गैंग को हांडी तालाब में उतारा गया। सफाई कर्मियों ने अभियान चलाकर तालाब में फैली जलकुंभी और गंदगी को हटाने का कार्य शुरू किया, जिससे तालाब की स्वच्छता और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई। नगर निगम की इस त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों को राहत मिली और लंबे समय से बनी हुई समस्या का समाधान हुआ। निगम अधिकारियों का कहना है कि जनशिकायतों का त्वरित निराकरण उनकी प्राथमिकता है और शहर के जलस्त्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी जारी रहेगी। इस अभियान ने यह भी संदेश दिया कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी और प्रशासन की तत्परता मिलकर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में अहम भूमिका निभा सकती है। बहरहाल, हांडी तालाब में चला यह सफाई अभियान केवल गंदगी हटाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह साबित कर गया कि जागरूक प्रशासन मिलकर किसी भी समस्या का त्वरित समाधान निकाल सकते हैं।

431 किमी पदयात्रा कर सीएम हाउस पहुंचे परिवार ने की न्याय की मांग

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बलरामपुर जिला अस्पताल में बुखार के दौरान भर्ती की गई महिला की छत से गिरने से मौत मामले में परिवार ने न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार बलरामपुर से रायपुर 431 किलो मीटर पदयात्रा कर आज सीएम हाउस पहुंचे। यहां अपने साथ हुए घटनाक्रम को लेकर खुलकर बात की। बता दें कि पीड़ित परिवार मामले की जांच व आर्थिक सहायता की मांग को लेकर सीएम हाउस के बाहर बैठे है। बलरामपुर जिला अस्पताल में महिला की मौत का यह मामला 30 अप्रैल की देर रात का है। जिले के ग्राम सेदूर निवासी 58 वर्षीय महिला कौलेश्वरी को बुखार व उल्टी की शिकायत थी। 27 अप्रैल को परिजनों द्वारा उसे बलरामपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के महिला मेडिकल वार्ड में उसका इलाज चल रहा था। 30 अप्रैल की रात करीब 12 बजे वह अस्पताल की दूसरी मंजिल की छत पर पहुंच गई। करीब 10–15 मिनट तक वह छत पर ही टहलती रही। इसके बाद उसने अचानक बिल्डिंग से छलांग लगा दी। इससे महिला नीचे फर्श पर गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को तत्काल अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा भर्ती किया गया।

पीएम जनमन सड़क की ड्रिलिंग से जांच, जर्जर आश्रम देखकर भड़के प्रमुख सचिव

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि वोरा ने बुधवार को कोटा विकासखंड के बैगा बहुल गांव शिवतराई और नेवसा का दौरा कर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पीएम जनमन, धरती आबा अभियान, पीवीटीजी डिजिटल सर्वे और सुशासन तिहार जैसी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

अचानकमार क्षेत्र के दूरस्थ गांव बैगापारा पहुंचकर प्रमुख सचिव ने ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और योजनाओं से मिलने वाले लाभ की जानकारी ली। शिवतराई में उन्होंने स्वयं सर्वे सेतु ऐप के जरिए तिहारू बैगा के परिवार का डिजिटल सर्वे किया। परिवारों की आजीविका, आवास, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं तक पहुंच को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

नेवसा गांव में पीएम-जनमन योजना के तहत बनी सड़क की गुणवत्ता जांचने के लिए तकनीकी टीम के साथ सड़क की ड्रिलिंग कराई गई। सड़क की मोटाई और निर्माण सामग्री के नमूने लिए गए। करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबी यह सड़क शिवतराई-अचानकमार मुख्य मार्ग से बैगापारा तक पहुंच आसान बनाती है। ग्रामीणों ने बताया कि अब बरसात में आने-जाने की परेशानी काफी कम हो जाएगी।

दौरे के दौरान गांव में मोबाइल मेडिकल यूनिट भी पहुंची। प्रमुख सचिव ने बैगा समुदाय के लोगों से वाहन की उपयोगिता के बारे में पूछा, जिस पर ग्रामीणों ने इसे बेहद लाभकारी बताया। इसके बाद उन्होंने मेडिकल यूनिट की नियमित गांवों में आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नेवसा स्थित आदिवासी बालक आश्रम के औचक निरीक्षण के दौरान आश्रम परिसर, शौचालय और साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब मिली। इस पर प्रमुख सचिव ने नाराजगी जताते हुए छात्रावास अधीक्षक रवि पाठक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र से पहले सभी आश्रमों और छात्रावासों में साफ-सफाई, पेयजल, बिजली और मरम्मत कार्य समय पर पूरा करने को कहा।

बाद में जनपद पंचायत कोटा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीवीटीजी डिजिटल सर्वे की प्रगति पर चर्चा करते हुए उन्होंने 30 मई तक शत-प्रतिशत सर्वे पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

हाईवे पर हादसा हो या परेशानी? अब 1033 बनेगा जीवनरक्षक साथी

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर सफर करने वाले यात्रियों के लिए अब आपात स्थिति में मदद और भी तेज और आसान हो जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर ने हाईवे पर अत्याधुनिक आपातकालीन चिकित्सा एम्बुलेंस सेवाएं शुरू की हैं। इन एम्बुलेंसों को पाराघाट टोल प्लाजा और केसला टोल प्लाजा में तैनात किया गया है, ताकि बिलासपुर से रायगढ़ के बीच यात्रा करने वाले लोगों को तुरंत सहायता मिल सके।

एनएचएआई के परियोजना निदेशक मुकेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि लंबी यात्रा पर निकलने से पहले वाहन की तकनीकी जांच जरूर करें और अपने मोबाइल की स्पीड डायल सूची में टोल-फ्री नंबर 1033 दर्ज रखें। उनका कहना है कि हाइवे पर किसी भी संकट की घड़ी में यही नंबर सबसे बड़ी मदद साबित हो सकता है। एनएचएआई के मुताबिक डायल 1033 सेवा चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगी। यदि हाईवे पर वाहन खराब हो जाए, टायर पंचर हो जाए, इंजन फेल हो जाए, सड़क पर पेड़ गिर जाए, मवेशी आ जाएं या मलबा जमा हो जाए, तो इस नंबर पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है। यात्रा के दौरान किसी यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ने पर भी यह सेवा राहत पहुंचाएगी। टोल प्लाजा, फास्टैग या सुरक्षा संबंधी शिकायतों के लिए भी यही नंबर उपयोगी रहेगा। जैसे ही कोई व्यक्ति 1033 पर कॉल करेगा, एनएचएआई का कॉल सेंटर तुरंत सक्रिय हो जाएगा। कॉलर से घटना की सटीक लोकेशन ली जाएगी और कुछ ही मिनटों में एम्बुलेंस या पेट्रोलिंग वाहन मौके पर पहुंच जाएगा। यदि कोई घायल होता है, तो उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर भेजा जाएगा। वहीं सड़क पर आई अन्य बाधाओं को क्रेन या पेट्रोलिंग टीम की मदद से हटाया जाएगा, ताकि यातायात प्रभावित न हो।

अवैध कोयला डिपो सील 1500 टन कोयला जब्त

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बिलासपुर, 28 मई। जिले में अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध कोल डिपो को सील कर दिया है। कार्रवाई के दौरान करीब 1500 मीट्रिक टन कोयला जब्त किया गया, जबकि 9 वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। इनमें दो जेसीबी मशीन, एक लोडर मशीन और पांच हाईवा ट्रक शामिल हैं। खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 26 मई को लिम्हा क्षेत्र स्थित एमएस कश्यप कोल डिपो का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि भंडारण अनुमति की अवधि समाप्त होने के बाद भी डिपो संचालित किया जा रहा था। इसके बाद विभागीय टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेलर वाहन सहित बड़े पैमाने पर रखे कोयले को जब्त कर डिपो को सील कर दिया। वहां मौजूद लोडर मशीन को भी सील कर दिया गया।

इसी दौरान एक अन्य क्षेत्र में बिना अनुमति शासकीय भूमि पर खनिज उत्खनन करते हुए दो जेसीबी मशीनें पकड़ी गईं। वहीं दो हाईवा वाहनों के चालक कार्रवाई के दौरान वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए, जिसके बाद विभाग ने वाहनों को मौके पर ही सील कर दिया।

जब्त ट्रेलर और दोनों जेसीबी मशीनों को रतनपुर थाने की सुपुर्दगी में रखा गया है, जबकि लोडर मशीन और हाईवा वाहनों को उनके स्थान पर ही सील किया गया है। इसके अलावा 27 मई को पचपेड़ी, लावर और मस्तूरी क्षेत्रों में संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। पचपेड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से चूना पत्थर परिवहन करते एक हाईवा को जब्त किया गया, जबकि लावर क्षेत्र में रेत परिवहन करते दो हाईवा वाहनों पर कार्रवाई की गई।

सोसाइटी प्रभारी को हटाने के आदेश पर हस्तक्षेप करने से हाईकोर्ट का इंकार

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बिलासपुर, 28 मई। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सीपत सेवा सहकारी समिति की प्राधिकारी तुलसी देवी कौशिक को पद से हटाए जाने के मामले में सीधे हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब कानून में अपील का वैकल्पिक प्रावधान उपलब्ध है, तब सीधे रिट याचिका पर सुनवाई उचित नहीं मानी जा सकती।

न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार व्यास की एकलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए याचिकाकर्ता को छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा 78 के तहत सक्षम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष 30 दिनों के भीतर अपील दायर करने की स्वतंत्रता दी है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि तय समयसीमा के भीतर अपील दायर की जाती है, तो उसे विलंब के आधार पर खारिज नहीं किया जाएगा और मामले का गुण-दोष के आधार पर परीक्षण किया जाएगा।

सीपत निवासी 64 वर्षीय तुलसी देवी कौशिक की ओर से अधिवक्ता सीमा सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नियुक्ति 14 नवंबर 2024 को धारा 49(ए) के तहत प्राधिकृत अधिकारी के रूप में की गई थी। लेकिन 28 अप्रैल 2026 को उप पंजीयक सहकारिता, बिलासपुर ने आदेश जारी कर उनकी नियुक्ति निरस्त करते हुए पद से हटा दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से यह तर्क भी रखा गया कि कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत की गई, क्योंकि उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया।

वहीं राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता आर.के. गुप्ता तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की ओर से अधिवक्ता शालीन सिंह बघेल ने याचिका का विरोध किया। उनका कहना था कि अधिनियम में प्रभावी अपील व्यवस्था उपलब्ध है, इसलिए सीधे हाईकोर्ट में दायर याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया।

सुभाष चंद्र बोस वार्ड में नाली निर्माण का भूमिपूजन

अंबिकापुर, 28 मई। शहर के वार्ड क्रमांक 22 नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड के केना बांध तालाब के पास लंबे समय से बहुप्रतीक्षित बड़े नाले के निर्माण का भूमि पूजन महापौर मंजूषा भगत के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस बहुप्रतीक्षित परियोजना के मंजूर होने से वार्डवासियों को मौसमी जलभराव और जलनिकासी की गंभीर समस्या से निजात मिलेगी।

वार्डवासियों की दिक्कतों के समाधान के लिए नगर निगम ने कुल 22 लाख के बड़े नाले तथा 5.50 लाख की छोटी नाली स्वीकृत धनराशि के साथ नाले के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है। प्रस्तावित नाले का निर्माण ऋषि पांडे के निवास से लेकर महेश चौबे के घर तक किया जाएगा, जिससे वार्ड के प्रमुख हिस्सों की पानी निकासी सुगम होगी और सड़कों व आवासीय क्षेत्रों में पानी भरने की घटनाएँ कम होंगी। उन्होांने कहा कि वार्डवासियों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए नाली जलनिकासी के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि इस स्वीकृति के पीछे वार्ड भ्रमण के दौरान मिली वास्तविक समस्याओं और अनुशंसाओं का अहम योगदान रहा।महापौर ने वार्ड पार्षद व एमआईसी सदस्य श्वेता गुप्ता की सक्रियता व समर्पित प्रयासों का कई बार उल्लेख किया। एमआईसी श्वेता गुप्ता ने बताया कि वार्ड वासियों द्वारा लंबे समय से जलनिकासी संबंधी समस्याएँ नगर निगम को अवगत कराई जा रही थीं।

फर्जी लोन, 28 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

अंबिकापुर, 28 मई। सरगुजा जिले में फर्जी लोन स्कीम के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक शिक्षिका समेत 10 लोगों को अपने जाल में फंसाकर करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की है।

पुलिस के अनुसार सरगवां निवासी दिव्या एक्का ने 12 मई 2026 को थाना गांधीनगर में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया कि वह राजपुर ब्लॉक में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं और घर निर्माण के लिए लोन लेने की योजना बना रही थीं। इसी दौरान उनके परिचित के माध्यम से अनशिवआर्या फाउंडेशन ग्रुप कंपनी के संचालक शिवशंकर दास से संपर्क हुआ। आरोपी ने खुद को बैंक से लोन दिलाने वाला प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए एक विशेष स्कीम का लालच दिया।

आरोपी ने पीड़िता को विश्वास दिलाया कि कंपनी जितना भी लोन दिलाएगी, उसका 60 प्रतिशत कंपनी में जमा करना होगा, जबकि 40 प्रतिशत राशि पीड़िता को मिलेगी। साथ ही यह भी कहा गया कि लोन की पूरी किस्त कंपनी खुद जमा करेगी। भरोसे में लेकर आरोपी ने पीड़िता के आधार कार्ड, पैन कार्ड, सैलरी स्लिप और अन्य दस्तावेज व्हॉट्सऐप के जरिए हासिल कर लिए।

राजस्व अफसर पर हमला, भाजपा विधायक-समर्थकों पर केस दर्ज

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के सीतापुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक और नायब तहसीलदार के बीच शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक और प्रशासनिक भूचाल का रूप ले चुका है। राजापुर उप तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिकपुरी की शिकायत पर सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और उनके समर्थकों के खिलाफ गंभीर एवं गैर-जमानती धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर विधायक पक्ष की शिकायत पर नायब तहसीलदार के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज होने से मामला और गर्मा गया है। जानकारी के मुताबिक 27 मई की शाम राजापुर तहसील तिराहे के पास कथित रूप से विवाद उस समय भड़क उठा जब विधायक और उनके समर्थकों द्वारा शोध क्षमता प्रमाण पत्र पर तत्काल हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया गया। आरोप है कि मना करने पर विधायक समर्थकों ने नायब तहसीलदार तुषार मानिकपुरी के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की और उन्हें जमीन पर गिरा दिया। नायब तहसीलदार ने अपनी शिकायत में विधायक रामकुमार टोप्पो, यूसुफ, नाजिम रजा, पंकज गुप्ता सहित 10-12 लोगों पर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने और हमला करने का आरोप लगाया है। घटना के दौरान एसडीएम सीतापुर फागेश सिन्हा भी मौके पर मौजूद थे। शिकायत में कहा गया है कि एसडीएम ने बीच-बचाव नहीं किया होता तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी।

कोतवाली पुलिस ने मामले में विधायक सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 221, 221(1), 132 और 191(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि मामला गैर-जमानती धाराओं में दर्ज होने के कारण राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। उधर विधायक रामकुमार टोप्पो की चचेरी बहन सीमा धनकी की शिकायत पर नायब तहसीलदार तुषार मानिकपुरी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। महिला ने आरोप लगाया है कि तहसील कार्यालय में उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया, जातिसूचक गाली दी गई तथा धक्का-मुक्की कर कार्यालय से बाहर निकाल दिया गया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने नायब तहसीलदार के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(2) और 79 के तहत जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया है। दोनों पक्षों पर एफआईआर दर्ज होने के बाद पूरे जिले में इस मामले की जोरदार चर्चा है। प्रशासनिक अमले से लेकर राजनीतिक गलियारों तक घटनाक्रम को लेकर तनाव और हलचल का माहौल बना हुआ है।

आरएसएस का पथ संचलन

सूरजपुर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा आयोजित संघ शिक्षा वर्ग (सामान्य) विद्यार्थी वर्ग का आयोजन साधुराम विद्या मंदिर में 16 मई से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के नवम दिवस पर संघ के प्रशिक्षणार्थियों ने नगर में भव्य पथ संचलन निकालकर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, संस्कार, सेवा समर्पण और सामाजिक एकता का संदेश दिया। पथ संचलन से पूर्व ध्वजारोहण एवं भारत माता की प्रार्थना की गई। इसके बाद घोष वादन के साथ प्रशिक्षणार्थियों का संचलन साधुराम विद्या मंदिर से प्रारंभ होकर कोन्हेर मार्ग, अग्रसेन चौक, नेहरू पार्क, श्याम मंदिर, सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर हॉस्पिटल के पास अस्पताल प्रबंधन, कोन्हेर मार्ग में वार्ड पार्षद, त्रिपाठी क्लिनिक के पास आम नागरिकों, अग्रसेन चौक में अग्रसेन सेवा समिति तथा श्याम मंदिर के पास अग्रवाल समाज द्वारा स्वागत किया गया।

सिम अपडेट के नाम पर ठगी, 6 बंदी

अंबिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

अंबिकापुर, 28 मई। सरगुजा रेंज साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए झारखंड के देवघर से छह अंतर्राज्यीय साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी लोगों को 5जी सिम अपडेट करने और विभिन्न सरकारी योजनाओं के नाम पर एपीके फाइल भेजकर मोबाइल हैक करते थे तथा बैंक खातों से रकम पार कर देते थे।

पुलिस के अनुसार पत्थलगांव निवासी उमेश खुटे ने सितंबर 2025 में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके मोबाइल पर एक लिंक भेजकर और 5जी सिम अपडेट करने के नाम पर उसके खाते से 5 लाख 53 हजार 900 रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा ने जांच साइबर रेंज थाना को सौंपते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के मार्गदर्शन में गठित पुलिस टीम ने झारखंड के देवघर में दबिश देकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने ठगी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से 10 मोबाइल फोन, पासबुक, चेकबुक और 51 हजार रुपये नकद जब्त किए हैं।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी पीएम डॉट आवास योजना, पीएम किसान योजना, आरटीओ चालान और परिवहन जैसे नामों से एपीके फाइल और लिंक भेजते थे। जैसे ही कोई व्यक्ति उस लिंक पर क्लिक करता था, मोबाइल का एक्सेस आरोपियों के पास पहुंच जाता था। इसके बाद वे एसएमएस और ओटीपी की मदद से बैंक खातों से रकम निकाल लेते थे।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ई-सिम एक्टिवेट कर पीड़ितों के मोबाइल नंबर का नियंत्रण भी अपने पास ले लेते थे और यूपीआई के माध्यम से रकम अन्य खातों में ट्रांसफर कर एटीएम से निकाल लेते थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे प्रतिदिन देशभर में करीब 2500 लोगों को एपीके फाइल भेजते थे। मुख्य आरोपी ने इसके लिए कई एजेंट भी रखे थे।

पुलिस ने बताया कि इससे पहले कांसाबेल थाना क्षेत्र में भी इसी गिरोह द्वारा एपीके फाइल भेजकर करीब 29 लाख 15 हजार रुपये की साइबर ठगी की गई थी। उस मामले में बैंक गार्ड समेत दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों में संतोष दास, राजकुमार मंडल, आर्यन कुमार और नित्यानंद शामिल हैं। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

म्यूल अकाउंट पर पुलिस की कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

अम्बिकापुर (प्रतिदिन राजधानी)

साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जा रहे म्यूल अकाउंट के खिलाफ सरगुजा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना गांधीनगर क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

इन खातों के जरिए ऑनलाइन साइबर ठगी की कुल 1 लाख 44 हजार 200 रुपये की राशि आहरित किए जाने का खुलासा हुआ है।

पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर से मिले निर्देश के बाद सरगुजा पुलिस लगातार म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम और साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों के खिलाफ अभियान चला रही है। इसी कड़ी में थाना गांधीनगर पुलिस ने तीन अलग-अलग बैंक खातों और उनसे जुड़े मोबाइल नंबर धारकों पर कार्रवाई की।

पहले मामले में दर्रीपारा अंबिकापुर निवासी अभय रक्सेल के बैंक ऑफ महाराष्ट्र खाते के खिलाफ उत्तरप्रदेश से साइबर शिकायत दर्ज थी। जांच में खाते से 17 हजार 780 रुपये की साइबर ठगी राशि निकाले जाने की जानकारी मिली। आरोपी ने पूछताछ में अपना बैंक खाता दूसरे व्यक्ति को बेचने की बात स्वीकार की। दूसरे मामले में उरांवपारा अंबिकापुर निवासी अम्बिका खलखो के बैंक खाते के खिलाफ बिहार से ऑनलाइन शिकायत दर्ज थी। जांच में खाते से 31 हजार 420 रुपये की संदिग्ध राशि का लेनदेन सामने आया। आरोपी ने भी अपना बैंक खाता अन्य व्यक्ति को उपलब्ध कराने की बात कबूल की। तीसरे मामले में सरगवां निवासी सरद हलदार और किशुननगर निवासी राजा हलदार के खिलाफ कार्रवाई की गई।

दिल्ली में राष्ट्रीय खरीफ कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्रेस कॉन्फ्रेंस

प्राकृतिक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग और इंटीग्रेटेड फार्मिंग पर राष्ट्रीय स्तर पर जोर : शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में राष्ट्रीय खरीफ कृषि सम्मेलन के दौरान मीडिया से चर्चा में कहा कि खरीफ 2026 के लिए देश पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि राज्यों के कृषि मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कृषि विश्वविद्यालयों, केवीके, प्रगतिशील किसानों और केंद्र-राज्य की पूरी कृषि टीम के साथ हुए व्यापक विचार-विमर्श में बीज, उर्वरक, फसल बीमा, कृषि ऋण, प्राकृतिक खेती और राज्यवार कृषि रोडमैप जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस दिशा तय की गई।

नई दिल्ली में पूसा स्थित सुब्रमण्यम हॉल में राष्ट्रीय खरीफ कृषि सम्मेलन में आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खरीफ सीजन किसी भी दृष्टि से चुनौती का नहीं बल्कि तैयारी, समन्वय और किसान-केंद्रित नीति का सीजन बने, इसके लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी फसल की सफलता की सबसे पहली शर्त गुणवत्तायुक्त बीज है और इस बार देश में खरीफ 2026 के लिए बीज की उपलब्धता पूरी तरह आश्वस्त करने वाली है। उन्होंने जानकारी दी कि खरीफ सीजन के लिए देश में लगभग 173 लाख क्विंटल बीज की आवश्यकता है, जबकि 192 लाख क्विंटल बीज उपलब्ध है। यानी जरूरत से लगभग 11 प्रतिशत अधिक बीज उपलब्ध कराया गया है। राज्यों की आवश्यकताओं के अनुरूप बीज आवंटन भी किया जा चुका है और इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि समय रहते बीज राज्यों द्वारा उठाया जाए और किसानों तक खरीफ बुवाई से पहले पहुंच जाए। उन्होंने कहा कि मौसम की अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने 1.74 लाख क्विंटल का राष्ट्रीय बीज भंडार भी तैयार किया है। यदि कहीं बारिश में देरी हो, बीच में अंतराल आए या पुनर्बुवाई की जरूरत पड़े, तो किसानों को बीज उपलब्ध कराने में कोई कठिनाई न हो, इसके लिए अग्रिम तैयारी की गई है। चौहान ने बताया कि किसानों को योजनाओं का लाभ सरल और लक्षित तरीके से देने के लिए फार्मर आईडी अभियान को तेजी से आगे बढ़ाया गया है। अब तक 9 करोड़ 76 लाख से अधिक फार्मर आईडी बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को बार-बार अलग-अलग कागज देने की जरूरत कम होगी और खाद, सहायता तथा अन्य सुविधाओं का वितरण अधिक पारदर्शी और सही पात्रों तक सुनिश्चित किया जा सकेगा। कृषि ऋण के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि देश में औसत कृषि ऋण का आकार लगभग 1.32 लाख रुपये है लेकिन विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में इसमें बड़ा अंतर है। पूर्वी भारत में यह औसत काफी कम है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में कृषि ऋण का प्रवाह कम है, वहां बैंकों के साथ बैठक कर पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा ताकि किसान समय पर निवेश कर सकें। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि बड़ी संख्या में ऐसे किसान हैं जो अपनी जमीन के मालिक नहीं हैं, बल्कि पट्टे या लीज पर जमीन लेकर खेती करते हैं। ऐसे टेनेंट फार्मर्स के लिए भी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने को लेकर राज्यों के साथ गंभीर चर्चा हुई है। कुछ राज्यों के मॉडल का अध्ययन कर राष्ट्रीय स्तर पर उपयुक्त व्यवस्था विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा। फसल बीमा योजना पर बोलते हुए चौहान ने कहा कि योजना का दायरा बड़ा है, लेकिन कुछ अंतरालों को दूर करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट और रिमोट सेंसिंग आधारित आकलन को और अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाने के लिए एक टीम गठित की जाएगी। साथ ही, राज्यों द्वारा प्रीमियम भुगतान में देरी और बीमा कंपनियों द्वारा दावों के निपटारे में विलंब को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद भुगतान में देरी होने पर 12% ब्याज का प्रावधान लागू होगा, ताकि किसानों को लाभ समय पर मिल सके। शिवराज सिंह ने राज्यों से यह भी कहा है कि केंद्र द्वारा जारी की गई विभिन्न कृषि योजनाओं की राशि समय पर खर्च होनी चाहिए, ताकि किसानों तक लाभ सही समय पर पहुंचे। उन्होंने घटिया और नकली कीटनाशकों को बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि राज्यों को अधिक से अधिक सैंपलिंग करनी होगी, प्रयोगशालाओं को सक्षम बनाना होगा और एनएबीएल प्रमाणित लैब्स के विस्तार पर ध्यान देना होगा। नकली कृषि आदानों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने पर भी सहमति बनी है। पीएम-आशा के तहत खरीद प्रक्रिया में देरी को भी एक प्रमुख मुद्दा बताते हुए चौहान ने कहा कि अब निश्चित समयसीमा के भीतर खरीद पूरी करने की दिशा में सहमति बनी है। इसके साथ ही केवीके को और मजबूत बनाने, एफपीओ आंदोलन को गति देने और विभिन्न फसलों के लिए उपयुक्त किस्मों पर क्षेत्रवार काम करने की जरूरत पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि अरहर जैसी फसलों में कम अवधि वाली बेहतर किस्मों के विकास और विभिन्न एग्रो-क्लाइमेटिक परिस्थितियों के अनुसार वैरायटी चयन पर और तेज काम करने की आवश्यकता है। इसी क्रम में हर राज्य के लिए अलग कृषि रोडमैप तैयार किया जाएगा। इस रोडमैप में मिट्टी, जलवायु, पोषक तत्वों की स्थिति, उपयुक्त फसल, किस्म और उर्वरक उपयोग जैसी बातों को शामिल किया जाएगा, ताकि कृषि योजना अधिक वैज्ञानिक और क्षेत्र-विशिष्ट बन सके। प्राकृतिक खेती और संतुलित उर्वरक उपयोग पर भी इस सम्मेलन में व्यापक चर्चा हुई। कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि 20 लाख किसानों ने 8 लाख हेक्टेयर क्षेत्र के लिए प्राकृतिक खेती हेतु पंजीकरण कराया है। इसके अलावा अनेक किसान परंपरागत रूप से भी प्राकृतिक पद्धतियों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने छोटी जोत वाले किसानों के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग को भी महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह आय बढ़ाने का व्यावहारिक रास्ता बन सकता है। शिवराज सिंह ने बताया कि किसानों तक सीधे पहुंचने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें 1 जून से 30 जून तक

अर्जुन राम मेघवाल की अध्यक्षता में संसदीय कार्य मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

नई दिल्ली । नई दिल्ली में अर्जुन राम मेघवाल, विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री की अध्यक्षता में संसदीय कार्य मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मनोज कुमार तिवारी, संसद सदस्य (लोक सभा), श्रीमती अपराजिता सारंगी, संसद सदस्य (लोक सभा), श्रीमती संगीता यादव, संसद सदस्य (राज्य सभा) के अलावा गैर सरकारी सदस्यों में एडवोकेट प्रवीरकुमार गुहराय, प्रो. रामकिशोर शर्मा, प्रो. कमलेश किशोर, डॉ. प्रकाश कुमार पटेल, अनुभव चक, डॉ. रामचंद्र रमेश आर्य, प्रवीण श्रीराम देशमुख और सुनील पाण्डेय ने भी बैठक में भाग लिया।

संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से बैठक में निकुंज बिहारी धल, सचिव, डॉ. सत्य प्रकाश, अपर सचिव एवं अन्य अधिकारीगण तथा राजभाषा विभाग की ओर से सहायक निदेशक ने भाग लिया। निकुंज बिहारी धल, सचिव ने राज्य मंत्री और हिंदी सलाहकार समिति के सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए मंत्रालय द्वारा राजभाषा हिंदी के संदर्भ में किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला और मंत्री से अपने संबोधन के साथ बैठक की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया। राज्य मंत्री ने समिति को संबोधित करते हुए समिति के सदस्यों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

मंत्री और संसद सदस्यों सहित बैठक में कुल 20 सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान समिति की 22 अगस्त, 2025 को हुई पिछली बैठक के कार्यवृत्त की मदों पर की गई कार्रवाई पर विचार-विमर्श किया गया और संसदीय कार्य मंत्रालय के कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संबंध में सदस्यों ने अपने बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए। अंत में डॉ. सत्य प्रकाश, अपर सचिव ने मंत्री और सदस्यों का धन्यवाद करते हुए बैठक में आए सुझावों पर अपेक्षित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

उपराष्ट्रपति ने बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वैश्विक समारोह में भाग लिया

भारत की आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक नेतृत्व विश्व को प्रेरित कर रहे हैं : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वैश्विक समारोह में भाग लिया और शांति, सद्भाव, सेवा और आध्यात्मिक जागरूकता के मूल्यों को विश्व भर में फैलाने के लिए संगठन की प्रशंसा की। उपराष्ट्रपति ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग आंदोलन ने महाद्वीपों, संस्कृतियों और पीढ़ियों में लाखों लोगों के जीवन को छुआ है। संगठन की वैश्विक पहुंच की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग के लगभग 180 देशों में केंद्र हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि साढ़े चार दशक पहले 'आंतरिक शांति ही बाहरी सद्भाव की नींव है' के सिद्धांत पर स्थापित यह आंदोलन करुणा, सहनशीलता और आनंद को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख मानवीय और आध्यात्मिक शक्ति के रूप में विकसित हुआ है। उपराष्ट्रपति ने भक्ति के गहरे अर्थ पर विचार करते हुए कहा कि भक्ति केवल समर्पण नहीं है, बल्कि स्वयं, परिवार, समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति समर्पण है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता लोगों को दूसरों के साथ शांतिपूर्वक रहना सिखाती है और जीवन को सार्थक और परिपूर्ण बनाती है। उपराष्ट्रपति ने गुरुदेव रवि शंकर की प्रशंसा करते हुए कहा कि संघर्ष और अनिश्चितता से भरे इस संसार में गुरुदेव ज्ञान, जागरूकता, शांति और सद्भाव के मूल्यों से मानवता को प्रेरित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुदेव की सरलता, विनम्रता और करुणा ने विश्व भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान, सेवा, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरण संबंधी पहलों और अंतरधार्मिक संवाद के माध्यम से आर्ट ऑफ लिविंग ने सामाजिक परिवर्तन में आध्यात्मिकता की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया है। ध्यान और एकाग्रता के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि एकाग्र मन असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कर सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुरुदेव ने समाज के समक्ष एक प्रेरणादायक आदर्श प्रस्तुत किया है जिसमें युवा प्राचीन और आधुनिक को साथ लेकर चल सकते हैं। आधुनिकता और प्राचीन विरासत के गहरे पूरक होने पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने संगठन की सेवा-उन्मुख पहलों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की। उन्होंने रॉक सत्संग और भजन क्लबिंग जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये प्रयास भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को समकालीन रूप में पुनर्जीवित कर रहे हैं जो विश्व भर की युवा पीढ़ी के साथ प्रतिध्वनित होते हैं। उपराष्ट्रपति ने आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के नशामुक्त भारत अभियान की भी प्रशंसा की और इस बात पर बल दिया कि युवाओं को हानिकारक व्यसनों के बजाय आत्म-संयम और सकारात्मक मूल्यों द्वारा निर्देशित होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश आज इतिहास के एक अद्वितीय मोड़ पर खड़ा है, आत्मविश्वास से भरपूर, महत्वाकांक्षी और वैश्विक स्तर पर नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सभ्यतागत ज्ञान, योग, स्वास्थ्य, स्थिरता और 'वसुधैव कुटुंबकम' पर दिया गया जो आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन द्वारा प्रचारित मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

उपराष्ट्रपति ने आंदोलन के स्वयंसेवकों की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'सेवा के मौन शिल्पकार' बताया, जिन्होंने इस मिशन को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का रूपांतरण भी पूरे परिवार को सशक्त बनाता है और अंततः पूरे समुदायों को शक्ति प्रदान करता है। उपराष्ट्रपति ने आर्ट ऑफ लिविंग परिसर में स्थित गणपति मंदिर में प्रार्थना भी की और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन का एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, गुरुदेव रवि शंकर, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के सदस्य, भारत और विदेश के गणमान्य व्यक्ति और हजारों भक्त एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे।

एनआईसीडीसी ने नई दिल्ली में भव्य योजना और एनटीएच-बीआईएस परीक्षण अवसंरचना पर कार्यशाला का आयोजन किया

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड (एनआईसीडीसी) ने नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में भव्य योजना की रूपरेखा तथा एनटीएच और बीआईएस परीक्षण सुविधाओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया और उपभोक्ता कार्य विभाग (डीओसीए) की सचिव श्रीमती निधि खरे ने की। 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस सत्र में भाग लिया। डीपीआईआईटी और डीओसीए, औद्योगिक विकास निगमों, राज्य विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राष्ट्रीय परीक्षण शाला (एनटीएच), एनआईसीडीसी और अन्य हितधारक एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी इस कार्यशाला में शामिल हुए। स्वागत भाषण और विषय से संबंधित संबोधन देते हुए, एनआईसीडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक, श्री रजत कुमार सैनी ने मजबूत बुनियादी ढांचे, गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और कुशल संस्थागत ढांचे की सहायता से निवेश के लिए तैयार औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों के विकास और परीक्षण तथा प्रमाणन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई पहल का विकसित भारतञ्च2047, मेक इन इंडिया, पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इस कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में किया गया था। पहले सत्र में गुणवत्ता अवसंरचना और परीक्षण सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव श्रीमती निधि खरे का संबोधन शामिल था, जिसके बाद राष्ट्रीय परीक्षण शाला (एनटीएच) के महानिदेशक डॉ. आलोक श्रीवास्तव ने उत्पादों के वाणिज्यिक परीक्षण और एनटीएच प्रयोगशालाओं की स्थापना पर प्रस्तुति दी। इसके बाद भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के उप महानिदेशक श्री हरमोहन जीत सिंह पसरीचा ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) सहित गुणवत्ता नियंत्रण ढांचे पर प्रस्तुति दी। सत्र का समापन इसमें भाग लेने वाले राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और हितधारक संस्थानों के साथ एक संवादात्मक चर्चा के साथ हुआ।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर स्मारक पुस्तक का विमोचन किया, जिसमें सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभव संकलित हैं

यह प्रकाशन रणनीति को सफलता में बदलने के आधुनिक युद्ध के मानवीय आयाम को दर्शाता है: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर स्मारक पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक ऑपरेशन सिंदूर में भाग लेने वाले 100 अधिकारियों, नौसैनिकों, वायुसैनिकों और अन्य सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों का संकलन है। रक्षा मंत्री ने एक पोस्ट में इस प्रकाशन को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने वालों को श्रद्धांजलि बताते हुए सैनिकों के समर्पण और साहस से जुड़ाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, 'लोगों को इस पुस्तक से प्रेरणा लेकर राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संप्रभुता बनाए रखने के लिए किए गए बलिदान को समझना चाहिए।' राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को अभूतपूर्व सफलता

बताया, जिसमें भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर युद्धविराम के लिए बाध्य कर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारत द्वारा अब तक लड़े गए सभी युद्धों से अलग था, और यह स्मारक प्रकाशन ऐतिहासिक विवरण से परे बहादुर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों का संकलन है। उन्होंने कहा कि यह आधुनिक युद्ध के मानवीय पहलू की भी जानकारी देता है, जहां नेतृत्व, साहस, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिबद्धता ने रणनीति को सफलता में बदल दिया। यह पुस्तक आधिकारिक सैन्य इतिहास लेखन परंपराओं से हटकर लिखी गई है। युद्ध के अधिकांश वृत्तांत मुख्यालय और ऑपरेशन रूम के दृष्टिकोण को प्राथमिकता देते हैं, जहां कमांडरों के निर्णयों को दर्ज किया जाता है, उनका विश्लेषण किया जाता है और उन पर बहस की जाती है। फिर भी, युद्ध का वास्तविक स्वरूप, जैसा कि नियंत्रण रेखा पर दुश्मन के बंकरों को निशाना बनाते सैनिक, हवाई रक्षा संचालक जो आने वाले ड्रोनों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय कर रहा था, हथियार से मार करने के समय कॉकपिट में बैठा पायलट और बेड़े के उच्चतर स्थिति में आने पर कार्रवाई स्टेशनों पर तैनात नौसैनिक के अनुभव लगभग अकथ्य रह जाते हैं। यह पुस्तक उसी स्वरूप को पुनः प्राप्त करने का प्रयास है। इसमें तीनों सेनाओं के साथ-साथ मुख्यालय, एकीकृत रक्षा स्टाफ के वृत्तांत, युद्धक विमान चालक, नौसेना के चौकसकर्मी, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के दल, विशेष बल के संचालक, सिग्नलर, लॉजिस्टिक्स कर्मी, चिकित्सा अधिकारी और संयुक्त एवं एकीकृत संगठनों के कर्मी सम्मिलित हैं जो इस अभियान में एक साथ शामिल रहे हैं। इस प्रकाशन का विमोचन नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह के दौरान किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, नौ सेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और वायु सेना अध्यक्ष एयर मार्शल एपी सिंह उपस्थित रहे।

आयुष मंत्रालय ने भारतीय योग संघ द्वारा कैवल्यधाम, लोनावला में आयोजित 'योगोत्सव 2026' का स्वागत किया

संतुलन और सामूहिक आरोग्य के लिए प्रभावी है योग : केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने 29 और 30 मई 2026 को कैवल्यधाम योग संस्थान, लोनावला, महाराष्ट्र में आयोजित हो रहे भारतीय योग संघ के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन— 'योगोत्सव 2026' के आयोजन का स्वागत किया है। 'योग में विविधता का उत्सव' विषय पर आयोजित, इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य देश भर के योग आचार्यों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षकों, आरोग्य क्षेत्र की जानी मानी हस्तियों, संस्थानों और युवा प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि भारत और वैश्विक स्तर पर भविष्य में योग की दिशा पर विचार-विमर्श किया जा सके। विभिन्न योग परंपराओं के बीच एकजुटता के महत्व पर बोलते हुए, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, प्रतापराव जाधव ने कहाः 'योग मानवता के लिए भारत के सबसे महान योगदानों में से एक है। जब विभिन्न परंपराएं आपसी सम्मान, खुलेपन और एक साझा उद्देश्य के साथ एकजुट होती हैं, तो योग केवल एक अभ्यास नहीं रह जाता, बल्कि संतुलन, सामूहिक आरोग्य और मानवीय एकता के लिए एक ताकतवर शक्ति बन जाता है। यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि योग आचार्य, संस्थान, शोधकर्ता, युवा और योग साधक 'योगोत्सव 2026' में संवाद और सहयोग की भावना के साथ एकत्रित हो रहे हैं।' आयुष मंत्रालय 'योगोत्सव' जैसे मंचों को भारत की योग विरासत की प्रामाणिकता और दार्शनिक गहराई को संरक्षित रखते हुए, विभिन्न योग परंपराओं, संस्थानों, शिक्षकों, चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के बीच सहयोग को मजबूत करने के एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में देखता है। विश्व के सबसे पुराने और सबसे सम्मानित योग संस्थानों में से एक, विश्व-प्रसिद्ध 'कैवल्यधाम योग संस्थान' में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य योग के क्षेत्र में कार्यरत पारंपरिक परंपराओं और समकालीन संस्थानों के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है।

कलेक्टर सिंह ने पद्मश्री दम्पति डॉ. गोडबोले का किया सम्मान

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

पद्मश्री दम्पति डाक्टर रामचंद गोडबोले और श्रीमती सुनीता गोडबोले, से कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने मुलाकात की। कलेक्टर डॉ सिंह ने उनका शॉल, पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया। साथ ही शुभकामनाएं दी और कहा कि आप लोग हमारे प्रदेश के गौरव है। गौरतलब है कि गत दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री दम्पति डॉ रामचंद गोडबोले और श्रीमती सुनीता गोडबोले पद्मश्री से सम्मानित किया था। उन्होंने वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़कर अपना संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। बस्तर के बारसूर जैसे दूरस्थ एवं दुर्गम वनांचल में रहकर उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित लोगों तक निःशुल्क उपचार, स्वास्थ्य जागरूकता और जनविश्वास का प्रकाश पहुँचाया। कुपोषण मुक्ति, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और ग्रामीण–जनजातीय समाज में स्वास्थ्य के प्रति चेतना विकसित करने में उनका योगदान अत्यंत अनुकरणीय और प्रेरणादायी रहा है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री और अनिल अग्रवाल ने ओडिशा में वेदांता परियोजनाओं की प्रगति पर की चर्चा

परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए हर 15 दिन में होगी समीक्षाः मुख्यमंत्री माझी

एजेंसी, भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लोक सेवा भवन में अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता ग्रुप से मुलाकात की। इस दौरान, ओडिशा में वेदांता की एक लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की आगामी परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। यह उल्लेखनीय है कि 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश के साथ वेदांता ग्रुप राज्य के प्रमुख निवेशकों में से एक बनकर उभरा है।

ओडिशा में वेदांता ग्रुप की प्रस्तावित परियोजनाओं में शामिल हैं:

- **रायगड़ा जिले में 60 लाख टन क्षमता की एल्युमीना रिफाइनरी**
- **ढेंकानाल जिले में 30 लाख टन क्षमता का एल्युमीनियम स्मेल्टर**
- **ढेंकानाल जिले में 6000 मेगावाट क्षमता की पावर परियोजना**
- **डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पार्क के साथ एकीकृत कोयला और बॉक्साइट उद्योग**

ये सभी परियोजनाएँ मिलकर राज्य के औद्योगीकरण को नई गति देंगी। वेदांता ग्रुप अपने स्मेल्टर के पास डाउनस्ट्रीम एल्युमीनियम पार्क स्थापित करेगा, जहाँ एयरोस्पेस, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और रक्षा जैसे क्षेत्रों के लिए उन्नत एल्युमीनियम उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। इन पहलों से ओडिशा को दुनिया के सबसे बड़े एल्युमीनियम उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। साथ ही लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे और हजारों नए एमएसएमई के विकास को बढ़ावा मिलेगा। ढेंकानाल में पावर परियोजना और स्मेल्टर के लिए, साथ ही रायगड़ा में एल्युमीना रिफाइनरी

परियोजना के लिए भूमि आवंटन पहले ही पूरा किया जा चुका है। इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की व्यवस्था का कार्य भी सुचारु रूप से आगे बढ़ रहा है। कंपनी का नया कोयला ब्लॉक इस वर्ष परिचालन शुरू करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। इसके अलावा, रेल मंत्रालय ने वेदांता की प्रस्तावित बॉक्साइट खदान के पास एक नई रेल लाइन परियोजना को भी मंजूरी दे दी है। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि वेदांता का यह बड़ा निवेश राज्य के युवाओं के लिए अपार अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि वेदांता की परियोजनाओं की प्रगति की हर 15 दिन में समीक्षा की जाएगी और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे कि कार्य तय समय पर शुरू हो। उन्होंने कहा,ये परियोजनाएँ वर्ष 2036 तक ओडिशा को 500 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की हमारी यात्रा को तेज़ करेंगी। इससे खासकर मध्य और दक्षिण ओडिशा में आर्थिक गतिविधियों और बुनियादी ढांचे के विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। परियोजनाओं की प्रगति पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता ग्रुप ने कहा कि ये आगामी परियोजनाएँ ओडिशा की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएँगी। इससे लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे, स्थानीय उद्यमों को मजबूती मिलेगी और भविष्य के लिए तैयार औद्योगिक केंद्र विकसित होगा। श्री अग्रवाल ने राज्य सरकार के सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और ओडिशा के विकास में वेदांता की प्रतिबद्ध साझेदारी को दोहराया।

सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारी व कर्मचारियों को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ससम्मान दी विदाई

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला प्रशासन रायपुर द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रोजेक्ट वंदन की शुरूआत की गई है। इसके तहत टाउन हॉल में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मुख्य आतिथ्य में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आज सेवानिवृत्त होने वाले सभी शासकीय कर्मचारियों को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने श्रीफल, शॉल, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया साथ ही तत्काल उनके सभी सत्वों का आज ही भुगतान किया गया। आज स्कूल शिक्षा विभाग से 21, स्वास्थ्य विभाग से 03, राजस्व विभाग से 02, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से 02, जल संसाधन विभाग से 11, उच्च शिक्षा विभाग के

07, पशुधन विकास विभाग से 02, वन विभाग से 03, लोक निर्माण विभाग से 02, जेल विभाग से 03, उद्यानिकी विभाग से 01, संस्कृति विभाग से 01 कर्मचारी सहित कुल 68 सेवानिवृत्त हुए।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी शासकीय कर्मचारी सदैव प्रशासन की सेवा करते हैं उनके पूरे सेवाकाल की समाप्ति पर सहसम्मान विदाई हो इसके लिए प्रोजेक्ट वंदन की शुरूआत की गई है। उन्होंने कहा कि अब से किसी भी विभाग के कर्मचारी रिटायर होंगे, उन्हें सम्मान के साथ विदाई दी जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि रिटायरमेंट के पश्चात् अपने पेंशन तथा अन्य सत्वों के भुगतान के लिए भटकना पड़ता है, इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन लेकिन जिला प्रशासन ने प्रोजेक्ट सेकेण्ड इनिंग की शुरूआत की गई है।

छत्तीसगढ़ में मैंगों टूरिज्म की है अपार संभावनाएं : रमेन डेका

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

आम केवल एक फ्ल नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। किसानों को पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाकर आम उत्पादों को बडे रूप में विकसित करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। राज्यपाल रमेन डेका आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत विश्व में आम उत्पादन में अग्रणी है और देश में एक हजार से अधिक किस्मों के आम पाए जाते है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के स्थानीय आमों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश के किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के उत्पादन से अपनी अलग पहचान बनानी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि इस

प्रकार की प्रदर्शनियां और महोत्सव देश के विभिन्न राज्यों से आए आम उत्पादकों को एक-दूसरे की उन्नत खेती पद्धतियों, नई किस्मों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि बस्तर, कोण्डागांव, कांकेर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में आम उत्पादन की बहुत संभावनाएं है। महिला स्व-सहायता समूहों के लिए भी इस क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के व्यापक अवसर मौजूद है। मैंगों टूरिज्म की भी छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं है।

राज्यपाल ने कहा कि आम उत्पादन के साथ-साथ इसके वैल्यू एडिशन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके लिए कृषि विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम को मिलकर कार्य करना चाहिए। डेका ने कहा कि हमारे जीवन को ईको फैंडली बनाना आज की आवश्यकता है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना होगा। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पर लगाने और रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आम फ्लों का राजा है। आम की पत्तियों और लकड़ियों का भी हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है। हमारे घरों में मांगलिक कार्य होने पर हम आम की पत्तियों से तोरण बनाते है एवं आम की सूखी लकड़ियों का उपयोग हवन एवं पूजा में करते है। इस महोत्सव में 250 से अधिक किस्मों के आम प्रदर्शित किए गए है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को इस महोत्सव का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। प्रदर्शनी मे बेर के आकार से लेकर बीजापुर के हाथीझुल जैसे बड़े किस्मों के आम भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधामंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप किसानों की आय दुगुनी करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है और आम की खेती भी इस संकल्प को पूरा करने के लिए सहायक सिद्ध होगी।

पद्मश्री डॉ. सुनीता गोडबोले एवं डॉ. रामचंद्र गोडबोले द्वारा बस्तर में किए गए सेवा कार्यों की मुख्यमंत्री ने की सराहना

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में पद्मश्री से सम्मानित समाजसेवी दंपति डॉ. सुनीता गोडबोले और डॉ. रामचंद्र गोडबोले से आत्मीय मुलाकात कर उनके द्वारा बस्तर और जनजातीय समाज के बीच चार दशकों से अधिक समय से किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। मुलाकात के दौरान गोडबोले दंपति ने मुख्यमंत्री को बताया कि 卐बस्तर और बस्तरवासियों से हमें गहरा प्रेम है। हम गोंडी और हल्बी में उनसे संवाद करते हैं, यही हमारी संस्कृति है और अब हम बस्तर नहीं छोड़ना चाहते हैं卐 मुख्यमंत्री श्री साय ने इस आत्मीय भावना को बस्तर, उसकी संस्कृति और जनजातीय समाज के प्रति गहरे समर्पण का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह केवल सेवा का विषय नहीं, बल्कि मानवीय आत्मीयता, संवेदनशीलता और सामाजिक प्रतिबद्धता की दुर्लभ मिसाल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गोडबोले दंपति को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका पद्मश्री सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश, विशेष रूप से बस्तर, जनजातीय समाज और बस्तरवासियों के सम्मान का विषय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा, समर्पण और मानवता की मिसाल बने गोडबोले दंपति का सम्मानित होना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि डॉ. सुनीता गोडबोले और डॉ. रामचंद्र गोडबोले ने चार दशकों से अधिक समय तक बस्तर और अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में समर्पण और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर यह उदाहरण प्रस्तुत किया है कि सेवा का वास्तविक अर्थ समाज के सबसे जरूरतमंद व्यक्ति तक अपनत्व, विश्वास और मानवीय संवेदना पहुंचाना है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गोडबोले दंपति ने जनजातीय समाज तक पहुंचकर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया, कुपोषण, टीबी, मलेरिया, पीलिया और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलायी तथा शिक्षा और नशामुक्ति जैसे विषयों पर उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद जनजातीय समाज के बीच बने रहना और सेवा करते रहना असाधारण समर्पण का उदाहरण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोडबोले दंपति केवल चिकित्सक के रूप में नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के आत्मीय सहयोगी के रूप में कार्य करते रहे हैं।

वाणी वाचन केंद्र में विशेष बच्चों के समर कैंप का समापन

दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को सही दिशा देना समाज की जिम्मेदारी : डॉ. वर्णिका शर्मा

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने सप्रे स्कूल प्रांगण स्थित छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित वाणी वाचन केंद्र (विशेष विद्यालय) में आयोजित समर कैंप के समापन समारोह में शामिल होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने 70 दिव्यांग बच्चों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. शर्मा ने संस्था में संचालित स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, रेमेडियल थेरेपी, मनोचिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी से जुड़ी विभिन्न मशीनों, सेंसरी रूम और एडीएचडी सेंटर के निर्माण स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों को दी जा रही विशेष सुविधाओं और प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की सराहना की।

इस अवसर पर बाल कल्याण परिषद की ओर से डॉ. वर्णिका शर्मा का सम्मान भी किया गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के जज्बे और प्रतिभा को नई दिशा देना हम सभी का दायित्व है। जिन क्षेत्रों में बच्चों की विशेष रुचि हो, उन्हें आगे बढ़ाने के लिए परिवार और समाज को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 70 दिव्यांग बच्चों

को 30 से अधिक शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाना सराहनीय पहल है। राजधानी रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित वाणी वाचन बहु प्रशिक्षण पुनर्वास केंद्र में विशेष थेरेपी ले रहे बच्चों से उन्होंने आत्मीय मुलाकात भी की। डॉ. शर्मा ने कहा कि जैसे भगवान को विशेष कृपा के लिए विशेष पुष्प अर्पित किए जाते हैं, उसी प्रकार ये विशेष बच्चे भी ईश्वर की विशेष रचना हैं। इनके पालन-पोषण और देखभाल के लिए संवेदनशीलता, धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है।

उन्होंने दिव्यांग बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कार्य कर रहे बाल कल्याण परिषद के पदाधिकारियों, सदस्यों और थैरेपिस्टों के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. कमल वर्मा, महासचिव चंद्रेश शाह, कोषाध्यक्ष इंदिरा जैन, संयुक्त सचिव राजेंद्र निगम, कार्यकारिणी सदस्य सुनीता चंसोरिया, अधीक्षक पूजा मिसालवार, प्राचार्य विमला यादव सहित सभी थैरेपिस्ट उपस्थित रहे।

सोने की परंपरा, निवेश और भारतीय संस्कृति में ज्वैलरी की भूमिका पर निकेश बरड़िया ने रखे विचार

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स प्रा. लि. के निदेशक निकेश बरड़िया ने 29 मई 2026 को आयोजित "Times Conversation on Role of Jewellery in Indian Culture" कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए भारतीय संस्कृति में स्वर्ण एवं आभूषणों के महत्व, निवेश के बदलते स्वरूप तथा वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में सोने की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान निकेश बरड़िया ने कहा कि भारत में सोना केवल एक धातु नहीं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और पारिवारिक सुरक्षा का प्रतीक है। सदियों से भारतीय परिवारों में सोना सामाजिक प्रतिष्ठा, धार्मिक आस्था तथा भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के रूप में देखा जाता रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति में जन्म से लेकर विवाह और विभिन्न धार्मिक अवसरों तक स्वर्ण का विशेष महत्व बना हुआ है।

चर्चा के दौरान निकेश बरड़िया ने अपने बचपन की एक प्रेरणादायक स्मृति भी साझा की। उन्होंने बताया कि कंपनी के चेयरमैन तिलोकचंद बरड़िया अक्सर कहा करते है कि सोने को अपने तीसरे बेटे की तरह समझना चाहिए। जिस प्रकार लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए बचत और निवेश करते हैं, उसी प्रकार नियमित रूप से सोने में भी निवेश करना चाहिए। जीवन में कौन साथ दे या न दे, लेकिन सोना भविष्य में हमेशा आपका साथ देता है।

निकेश बरड़िया ने कहा कि यह सोच केवल निवेश नहीं, बल्कि भारतीय परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और दूरदर्शिता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि पुराने समय से ही भारतीय परिवार कठिन परिस्थितियों में सोने को सबसे भरोसेमंद संपत्ति मानते आए हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा हाल ही में दिए गए उस बयान पर भी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने देशवासियों से एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचने की अपील की थी। इस संदर्भ में निकेश बरड़िया ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का उद्देश्य देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव को कम करना तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना है। निकेश बरड़िया ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में ज्वैलरी उद्योग लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इसमें छोटे व्यापारी, कारीगर, डिजाइनर और हस्तशिल्प से जुड़े परिवार शामिल हैं। ऐसे में सोने की खरीद में अचानक कमी आने से इस पूरे उद्योग पर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि एक मजबूत निवेश विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है, विशेषकर आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान परिस्थितियों में गोल्ड रीसाइक्लिंग और पुराने स्वर्ण के पुनः उपयोग जैसे विकल्पों पर ध्यान देना अधिक व्यावहारिक हो सकता है।

कार्यक्रम में इतिहास, संस्कृति, निवेश और अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें यह बात सामने आई कि भारतीय समाज में सोने का महत्व भविष्य में भी बना रहेगा। निकेश बरड़िया ने कहा कि बदलते समय के साथ ज्वैलरी उद्योग आधुनिकता और परंपरा दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है तथा ग्राहकों की पसंद में निवेश आधारित ज्वैलरी और हल्के डिजाइनों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444